हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 279 बेमेतरा, शुक्रवार 05 जून 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

आईएसआई और दाऊद नेटवर्क से जुड़ा आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, गैंगस्टर नेटवर्क और दाऊद इब्राहिम से जुड़े मॉड्यूल पर बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई से आतंकी हुफैजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मुंबई में पिछले कई दिनों से स्पेशल सेल और एटीएस की संयुक्त टीम द्वारा छापेमारी की जा रही थी। इसी अभियान के दौरान हुफैजा को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया। वह कथित तौर पर दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क और आईएसआई एजेंट मुन्ना झिंगाड़ा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, हुफैजा को कराची से निर्देश मिलते थे और वह उसी के अनुसार काम कर रहा था। वह मुंबई अंडरवर्ल्ड में सक्रिय नेटवर्क का हिस्सा बताया जा रहा है। अब तक इस मॉड्यूल से जुड़े कुल नौ संदिग्धों को दिल्ली, मुंबई, राजस्थान और पंजाब सहित चार राज्यों से गिरफ्तार किया जा चुका है।

अहमदाबाद में अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अवैध घुसपैठ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न इलाकों से 290 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पूछताछ के दौरान 131 लोगों की पहचान अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में हुई है, जबकि करीब 160 अन्य संदिग्धों से जांच एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। पुलिस और क्राइम ब्रांच ने देर रात संयुक्त अभियान चलाकर चंडोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर क्षेत्रों में छापेमारी की। इस दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, शहरभर में दस्तावेज सत्यापन और प्रवर्तन अभियान जारी है। हिरासत में लिए गए सभी लोगों की पहचान, नागरिकता और दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। अहमदाबाद पुलिस ने बताया कि मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अगर हाथ-पैर काट दिए जाएं तो शायद लोग कानून का पालन करना सीख जाएं

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले की सुनवाई के दौरान अपराधों पर लगाम लगाने के लिए कठोर दंड व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देते हुए सख्त टिप्पणियां की हैं। अदालत ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ प्रभावी और कड़ी कार्रवाई नहीं होने के कारण कानून का भय कम होता जा रहा है और यही वजह है कि गंभीर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। न्यायमूर्ति आर. नटराज ने 23 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि अपराधों को रोकने के लिए कानून का सख्ती से पालन और दोषियों को कड़ी सजा मिलना आवश्यक है। आरोपी छात्र अप्रैल की शुरुआत से न्यायिक हिरासत में है। और उस पर वर्ष 2023 में अपनी पूर्व सहपाठी के साथ यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। जस्टिस आर. नटराज ने छात्र की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, कानून के दांत इसलिए टूट गए हैं, क्योंकि हम अपराधियों से सख्ती से नहीं निपटते। अगर आप किसी का हाथ या पैर काट दें।

मुजफ्फरपुर के प्रसाद हॉस्पिटल में लगी भीषण आग

दस से ज्यादा मरीजों की मौत की आशंका,बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक बेहद दुखद और भयानक घटना सामने आई है। यहां के ब्रह्मपुरा स्थित प्रसाद हॉस्पिटल में अचानक भीषण आग लग गई। यह आग सुबह करीब 3 बजे अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर स्थित आईसीयू वार्ड में लगी थी। दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड के बाद अब इस हादसे ने सबको पूरी तरह से दहला दिया है। आग लगने के कारण पूरे अस्पताल परिसर में कुछ ही देर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। जहरीला धुआं पूरे अस्पताल में तेजी से फैल गया जिससे मरीज काफी घबरा गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार अस्पताल में आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब 12 गाड़ियां तुरंत ही घटनास्थल पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर आईसीयू और अन्य वार्डों में फंसे मरीजों को बाहर निकाला। भारी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने 20 से ज्यादा मरीजों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। बचाए गए सभी मरीजों को तुरंत शहर के अन्य सुरक्षित स्थानों और अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया गया है। अग्निशमन अधिकारी आर.एन. पांडेय के मुताबिक जब उनकी टीम पहुंची तो स्थिति बहुत ज्यादा खराब थी। राहत और बचाव कार्य के बावजूद इस भयानक हादसे में 10 से अधिक लोगों की जान चली गई। बचाए गए 20 मरीजों में से भी कई मरीजों की हालत काफी ज्यादा गंभीर बनी हुई है। पूरा आईसीयू वार्ड घने और काले धुएं से भर जाने के कारण कई मरीजों का दम घुट गया। एक पीड़ित परिजन ने रोते हुए बताया कि उनके पिता भी इसी आईसीयू में भर्ती थे जिनकी जान चली गई। इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले बेगुनाह मरीजों के परिवारों में चीख-पुकार मच गई है। सभी लोग अस्पताल के बाहर अपने परिजनों की तलाश कर रहे हैं और प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे हैं। हादसे के बाद अस्पताल प्रबंधन और वहां के स्टाफ के खिलाफ आम लोगों का भारी गुस्सा फूटा। मौके पर मौजूद परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद डॉक्टर और कर्मचारी मरीजों को छोड़कर भाग गए। कर्मचारियों ने मरीजों को आग में तड़पता हुआ छोड़ दिया और अपनी जान बचाकर वहां से तुरंत फरार हो गए। यहां तक कि प्रशासन ने मृत मरीजों के शव भी उनके परिजनों को नहीं सौंपे। अग्निशमन अधिकारी ने भी इस बात की पूरी तरह पुष्टि की है कि अस्पताल का ज्यादातर स्टाफ वहां से गायब था। इस भयंकर लापरवाही के कारण अब अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

सीएम ने जताया शोक,4-4 लाख मुआवजे का किया ऐलान

बिहार में मुजफ्फरपुर के प्रसाद अस्पताल के आईसीयू में लगी भीषण आग के कारण कई लोगों की जान चली गई। इस हादसे पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिवारों को तत्काल मुआवजा देने का भी ऐलान किया है। अधिकारियों ने अब तक चार मौतों की पुष्टि कर ली है। हालांकि, दस से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से चार लोगों की जान जाना अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और इस कठिन समय में परिवारों को संबल दें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुआवजे का ऐलान करते हुए आगे लिखा, मृतकों के परिवारों को तत्काल 4-4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है, और घायलों के इलाज के लिए जिला अस्पतालों में उचित व्यवस्था की गई है। जानकारी के अनुसार, प्रसाद अस्पताल के आईसीयू में शॉर्ट सर्किट होने के कारण भीषण आग लग गई। घटनास्थल पर तुरंत पहुंची दमकल की टीमों ने आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया है। राहत कार्यों की देखरेख के लिए डीएम एसपी नगर आयुक्त और सिविल सर्जन सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अस्पताल के बाहर शोकाकुल परिजन जमा हो गए, जबकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कान्तेश मिश्रा ने बताया, अब तक 4 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हरियाणा में बल्लभगढ़-जेवर एक्सप्रेसवे पर फ्लाईओवर से गिरी क्रेन, 6 लोगों की दर्दनाक मौत, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

हरियाणा के बल्लभगढ़-जेवर एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को भीषण हादसा हो गया है। पन्हेरा खुर्द गांव के पास निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर ये हादसा हुआ। फ्लाईओवर के ऊपर से एक क्रेन अचानक नीचे गिर गई। इस भीषण हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। हालांकि अभी मौत की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस मौके पर पहुंच गई। बचाव दल द्वारा दबे हुए लोगों को निकालने की कोशिश की जा रही है। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। इस हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हरियाणा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि इस इलाके में दोपहर के वक्त तेज बारिश हुई थी, जिससे निर्माण स्थल पर भारी कीचड़ और फिसलन हो गई। बारिश रुकने के कुछ देर बाद मजदूर दोबारा काम पर लग गए। गार्डर उठाने का काम चल रहा था। इसी दौरान कीचड़ की वजह से क्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वो तेजी से पलट गई। चश्मदीदों के अनुसार, हादसे के वक्त वहां पर कई मजदूर मौजूद थे। क्रेन के नीचे मजदूर दब गए। आसपास काम कर रहे अन्य मजदूरों और स्थानीय लोगों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया। पुलिस, निर्माण कंपनी के स्टाफ और ग्रामीणों ने मिलकर मशीनों की मदद से क्रेन को हटाने और दबे लोगों को निकालने की कोशिश की। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। अब तक 3 मजदूरों के मौत की पुष्टि हुई है। ये हादसा जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ी महत्वाकांक्षी कनेक्टिविटी परियोजना का हिस्सा है। नोएडा एयरपोर्ट को दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग हिस्सों से जोड़ने के लिए एक्सप्रेसवे और फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं। फरीदाबाद से जेवर तक का ये कॉरिडोर आने वाले वक्त में हजारों वाहनों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता बनेगा।

इलाज के लिए दिल्ली आ रहे हैं

गुरु दलाई लामा के स्वास्थ्य पर दुनिया की नजर टीकी....

नई दिल्ली। एजेंसी

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा शुक्रवार को दिल्ली पहुंचेंगे। एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई है। यहां उनके बाएं घुटने का उपचार किया जाएगा। धर्मशाला स्थित उनके कार्यालय की ओर से ये एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी गई। इसमें आगे कहा गया कि उपचार और स्वास्थ्य लाभ के बाद दलाई लामा जून के अंत में लद्दाख की यात्रा करेंगे। वहां वे एक विस्तारित अवधि तक प्रवास करेंगे। लद्दाख में उनके कार्यक्रमों और प्रवास की विस्तृत जानकारी बाद में जारी की जाएगी।

अनुयायियों और शुभचिंतकों की नजर

दलाई लामा वर्तमान में धर्मशाला में निवास करते हैं, जो तिब्बती निर्वासित समुदाय का प्रमुख केंद्र माना जाता है। उनके स्वास्थ्य को लेकर दुनियाभर के अनुयायियों और शुभचिंतकों की नजर बनी हुई है। तिब्बती धर्मगुरु वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में रहते हैं, जो तिब्बती निर्वासित समुदाय का प्रमुख केंद्र माना जाता है। वर्ष 1959 में तिब्बत छोड़ने के बाद से वे भारत में रह रहे हैं और धर्मशाला को ही अपना स्थायी निवास बना चुके हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा एक करिश्माई व्यक्तित्व के धनी हैं, जिन्होंने बौद्ध धर्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्हें वर्ष 1989 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान उन्हें निर्वासन में रहकर तिब्बत के मुद्दे को जीवित रखने और शांतिपूर्ण संघर्ष की वकालत करने के लिए दिया गया था।

तिब्बती निर्वासित सरकार का नेतृत्व

दलाई लामा ने वर्ष 1959 में तिब्बत छोड़कर भारत में शरण ली थी। यह घटना तब हुई जब चीन ने 1950 में हिमालयी क्षेत्र में सैनिक भेजे और दावा किया कि वह तिब्बत के किसानों और गुलामो को आजादी दिला रहा है। इसके बाद से दलाई लामा भारत के धर्मशाला में रहकर तिब्बती निर्वासित सरकार और समुदाय का नेतृत्व करते रहे हैं।तिब्बती बौद्ध परंपरा के अनुसार, उच्च स्तर के धार्मिक गुरु और विद्वान भिक्षु मृत्यु के बाद पुनर्जन्म लेते हैं। इसी विश्वास के आधार पर दलाई लामा के पुनर्जन्म की पहचान की जाती है। माना जाता है कि यह प्रक्रिया आध्यात्मिक संकेतों और धार्मिक खोज के माध्यम से पूरी की जाती है।

दिल्ली अग्निकांड मामले

आरोपी लवकेश बजाज को चार दिन की पुलिस रिमांड..

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के मालवीय नगर अग्निकांड मामले में जांच अब तेज हो गई है। इस मामले में आरोपी होटल मालिक लवकेश बजाज को दिल्ली पुलिस ने साकेत कोर्ट में पेश किया, जहां अदालत ने उसे 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। कोर्ट में पुलिस ने दलील दी कि मामले की गहराई से जांच के लिए लवकेश की हिरासत जरूरी है, खासतौर पर होटल से जुड़े दस्तावेज़ों और अन्य अहम सबूत जुटाने के लिए। हालांकि, लवकेश बजाज की तरफ से इस रिमांड का विरोध किया और अदालत में कहा कि वो जांच में पूरा सहयोग कर रहा है, इसलिए पुलिस रिमांड की कोई जरूरत नहीं है। साथ ही उसके वकील ने यह भी मुद्दा उठाया कि उनको अभी तक स्ट्रक्चर की कॉपी नहीं दी गई है, जो सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के खिलाफ है। लवकेश की इस दलील पर दिल्ली पुलिस ने अदालत को भरोसा दिया कि जल्द ही स्ट्रक्चर की कॉपी उसको उपलब्ध करा दी जाएगी। इस हादसे के बाद दिल्ली पुलिस कई स्तरों पर जांच को आगे बढ़ा रही है। दिल्ली पुलिस ने एमसीडी को भी पत्र लिखकर इमारत का स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्वे कराने को कहा है। जिससे यह स्पष्ट हो सके कि बिल्डिंग सुरक्षा मानकों पर खरी थी या नहीं। इसके साथ ही, बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस से भी भवन की बिजली कनेक्शन को लेकर जानकारी मांगी गई है और वर्तमान इलेक्ट्रिकल सिस्टम की जांच करने को कहा गया है। दक्षिणी दिल्ली के जिला मजिस्ट्रेट को भी पत्र लिखकर विस्तृत निरीक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

स्कूलों-मदरसों में वंदे मातरम् पर बवाल, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मांगी छूट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में स्कूलों और मदरसों में वंदे मातरम् के गायन को अनिवार्य बनाए जाने के फैसले को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार सभी स्कूलों और मदरसों की प्रार्थना सभा में पूर्ण राष्ट्रीय गीत का गायन किया जाएगा। इस निर्णय पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने चिंता व्यक्त की है। बोर्ड ने मांग की है कि इस संबंध में जारी अधिसूचना को तत्काल वापस लिया जाए या कम से कम मुस्लिम छात्रों को इससे छूट दी जाए। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. एसक्यूआर इलियास ने एक बयान में कहा कि किसी छात्र को उसकी धार्मिक मान्यताओं के विरुद्ध किसी गीत।

एक साथ बीजेपी को दो बड़े झटके

कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

पंजाब में अगले साल यानी की 2027 में विधानसभा का चुनाव होना है। इससे पहले राज्य में सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जो चुनावी राज्य में बीजेपी को परेशान कर सकती है। दरअसल, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह को फिर से कांग्रेस में वापसी की अटकलें लगाई जा रही है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दावा किया है कि अमरिंदर सिंह हमारे संपर्क में हैं। वह कांग्रेस के सीनियर नेता रह चुके हैं और हमारे वरिष्ठ साथी भी हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह और हुड्डा के बीच दोस्ताना संबंधा है। ऐसे में इस बात की चर्चा है कि हुड्डा ही अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी कराने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के इस दावे पर पंजाब बीजेपी की ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। पंजाब बीजेपी के प्रवक्ता प्रतिपाल सिंह बलियावाल ने कहा है कि संपर्क होना कोई बड़ी बात नहीं है। रणदीप सुरजेवाला और कुमारी शैलजा तो कहती हैं कि हुड्डा किसी के संपर्क में नहीं रहते। हुड्डा ने केवल संपर्क में होने की बात की है। इसके कई मायने नहीं निकाले जाने चाहिए। अमरिंदर सिंह के कांग्रेस में वापसी की चर्चाओं को इस लिए भी हवा मिला, क्योंकि बीजेपी में रहते हुए वह लगातार कांग्रेस की तारीफ कर रहे हैं। कैप्टन कई बार यह कह चुके हैं कि कांग्रेस में पंजाब को लेकर उनसे सुझाव लिया जाता था, लेकिन बीजेपी सीधे दिल्ली से फैसले लेती है।

97 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

संविधान विशेषज्ञ डॉ. सुभाष का निधन.....

नई दिल्ली। संविधान विशेषज्ञ और पद्म भूषण डॉ. सुभाष कश्यप का आज निधन हो गया है। उन्होंने 97 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। जानकारी के मुताबिक, उनकी मौत कार्डियो-पल्मोनरी अरेस्ट के कारण हुई है। उनको भारतीय संविधान की संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं का प्रख्यात विद्वान माना जाता है। सुभाष कश्यप के निधन से राजनीतिक, संसदीय और शैक्षणिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। बता दें कि सुभाष सी. कश्यप का जन्म 10 मई 1929 को हुआ था। 97 वर्षीय कश्यप भारतीय संसदीय प्रणाली के सबसे सम्मानित विशेषज्ञों में से एक माने जाते थे और उन्होंने संविधान तथा संसदीय कार्यप्रणाली पर कई महत्वपूर्ण किताबें लिखीं और शोध कार्य भी किए थे। सुभाष कश्यप 1984 से 1990 तक लोकसभा के महासचिव रहे थे। उन्होंने सातवीं, आठवीं तथा नौवीं लोकसभा के दौरान संसदीय कार्यों के संचालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मालूम हो कि वह 1953 से भारतीय संसद से जुड़े रहे।

भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना वेनेजुएला

भारत दौरे पर वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज दराबाद हाउस में पीएम मोदी से द्विपक्षीय वार्ता हुआ

नई दिल्ली। एजेंसी

द्विपक्षीय विकास पर चर्चा करने वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज दिल्ली पहुंचीं। गुरुवार को उन्होंने हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय मुलाकात की। इस अहम बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को अधिक मजबूत बनाना है। दोनों नेता ऊर्जा और व्यापार जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी राष्ट्रपति रोड्रिगेज से मुलाकात की। उन्होंने भारत और वेनेजुएला की साझेदारी को प्रगाढ़ करने की निरंतर प्रतिबद्धता की बहुत सराहना की। जयशंकर ने विश्वास जताया कि पीएम मोदी के साथ यह बैठक द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करेगी। यह ऐतिहासिक दौरा स्वास्थ्य और निवेश के क्षेत्र में कई नए अवसरों के द्वार खोलने वाला है।भारत और वेनेजुएला के बीच हमेशा से ही ऊर्जा और वैश्विक दक्षिण के प्रति मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। रोड्रिगेज के साथ आया बड़ा प्रतिनिधिमंडल विभिन्न तकनीकी औद्योगिक प्रतिष्ठानों का बहुत बारीकी से दौरा करेगा। इस प्रतिनिधिमंडल में ऊर्जा, दवा और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों से जुड़े कई बड़े विशेषज्ञ मुख्य रूप से शामिल हैं। इनका मुख्य उद्देश्य भारत की तकनीकी क्षमताओं को समझना और निवेश के नए अवसर तलाशना है। भारत ऊर्जा क्षेत्र में वेनेजुएला का एक बहुत ही महत्वपूर्ण और काफी पुराना विश्वसनीय साझेदार रहा है। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने वहां के ऊर्जा क्षेत्र में पहले से ही उल्लेखनीय निवेश किया है। ये कंपनियां वहां अपनी उपस्थिति को और भी अधिक बढ़ाने की नई संभावनाएं लगातार तलाश रही हैं। इस यात्रा से दोनों देशों के बीच ऊर्जा सुरक्षा को एक नई और स्थायी दिशा प्राप्त होगी। दवा उद्योग और स्वास्थ्य सेवा जैसे मानवीय क्षेत्रों में भी दोनों देश मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध हैं। परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में भी आपसी सहयोग बढ़ाने पर गंभीरता से चर्चा की जा रही है। विदेश मंत्रालय का मानना है कि यह यात्रा द्विपक्षीय साझेदारी को बिल्कुल नई और तेज गति प्रदान करेगी। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत और वेनेजुएला की कूटनीतिक स्थिति काफी ज्यादा मजबूत और सशक्त होगी। भारत लगातार अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूती प्रदान कर रहा है।

खैरगुड़ा-उसरी में आंधी-तूफान का कहर, भीगी मक्का से किसान परेशान, बिजली व्यवस्था ध्वस्त

जगदलपुर/बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर विकासखंड के खैरगुड़ा और उसरी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर अचानक आए आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। दोपहर करीब 2 बजे काले बादल छाए और तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई।

पेड़ गिरे, रास्ते बंद -हवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए। टहनियां टूटकर मुख्य सड़कों पर गिर पड़ीं, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। ग्रामीणों को आने-जाने में भारी परेशानी हुई।

विद्युत व्यवस्था ध्वस्त, अंधेरे में गांव - आंधी की चपेट में आकर बिजली के कई खंभे टूट गए और तार जमीन पर बिखर गए। इससे खैरगुड़ा, उसरी समेत आसपास के गांवों में बिजली सप्लाई पूरी तरह बंद हो गई। विद्युत विभाग की टीम को सूचना दे दी गई है, लेकिन टूटे खंभों और तारों के कारण मरम्मत में समय लग सकता है। इस संबंध में जानकारी के लिए भानपुरी विद्युत विभाग के जेई को फोन किया गया, पर उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

तिरपाल ढकते-ढकते भीग गई मक्का फसल-इस समय किसान मक्का काटकर तिरपाल बिछाकर धूप में सुखा रहे थे। आंधी इतनी अचानक आई कि तिरपाल खींचकर ढकने तक का मौका नहीं मिला। खैरगुड़ा के किसान बद्रीनाथ ने बताया, ÷सुबह से मक्का फैलाया था। आंधी आई तो तिरपाल खींच ही रहे थे कि बारिश शुरू हो गई।÷ उसरी के किसानों की मक्का फसल भी इसी आंधी में भीग गई।

किसान चिंतित, मुआवजे की मांग - भीगे मक्के में फफूंदी और जर्मिनेशन का खतरा बढ़ गया है। मंडी में नमी 14त्न से ज्यादा होने पर व्यापारी कम रेट लगाते हैं। खैरगुड़ा और उसरी दोनों जगह के किसान दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं। फसल बर्बाद होने से किसान चिंतित हैं और प्रशासन से तत्काल सर्वे कर मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

जंगल से IIT तक पहुंचा बीजापुर का अर्जुन

JEE में शानदार प्रदर्शन, IIT प्रिपरेटरी कोर्स के लिए चयनित; शिक्षा विभाग ने किया सम्मानित

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचल से आने वाले छात्र अर्जुन हेमला ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (छ्वश्वश्व) में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर द्बद्बञ्ज प्रिपरेटरी कोर्स में चयनित होकर जिले का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा विभाग ने सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया। अर्जुन की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती। कठिन परिस्थितियों और सीमित सुविधाओं के बावजूद उन्होंने राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है। अर्जुन की इस उपलब्धि के पीछे जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में संचालित ÷छू लो आसमान÷ पहल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्थित तैयारी का अवसर मिल रहा है। दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को मुख्यधारा की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से जोड़ने में यह अभियान प्रभावी साबित हो रहा है।

उनकी सफलता में शिक्षक रुद्र मूर्ति, गुंजन सिंह और रूपेश साहू सहित अन्य शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन का भी अहम योगदान रहा। शिक्षकों के सहयोग और अर्जुन की मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।सम्मान समारोह में विकासखंड शिक्षा अधिकारी नागेश्वर निषाद ने कहा कि अर्जुन की उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने की प्रेरणा देगी। वहीं सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी दीपक कोड्डॉ ने कहा कि अर्जुन ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से यह सफलता अर्जित की है।कार्यक्रम में उसूर विकासखंड शिक्षा अधिकारी, ÷छू लो आसमान÷ के प्राचार्य, शिक्षकगण और शिक्षा विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अर्जुन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए शुभकामनाएं दीं।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सचिव राकेश जोशी बने विधायक के प्रतिनिधि

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कोटाडबरी धान खरीदी केंद्र में संगठनात्मक सक्रियता और लगातार जनहित कार्यों को देखते हुए जांजगीर-चांपा के विधायक ब्याश कश्यप ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के सचिव राकेश जोशी को अपना विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है।राकेश जोशी को धान खरीदी केंद्र कोटाडबरी में विधायक प्रतिनिधि बनाए जाने से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। संगठन सूत्रों के अनुसार राकेश जोशी लंबे समय से पार्टी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। वे लगातार धरना-प्रदर्शन, आंदोलन, बैठकों और पार्टी के घेराव कार्यक्रमों में अग्रिम पंक्ति में नजर आते रहे हैं। बताया जाता है कि राकेश जोशी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील साधवानी के करीबी माने जाते हैं और संगठन के भीतर उनकी सक्रियता एवं जमीनी पकड़ को देखते हुए ही उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।विधायक प्रतिनिधि बनाए जाने के बाद राकेश जोशी ने कहा कि वे धान खरीदी केंद्र से जुड़े किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएंगे और शासन-प्रशासन तक उनकी बात पहुंचाने का कार्य पूरी ईमानदारी से करेंगे। उन्होंने विधायक ब्याश कश्यप के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो विश्वास उन्हें दिया गया है, उस पर वे पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे।उनकी नियुक्ति को कांग्रेस संगठन द्वारा किसानों और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

मानसून की आहट के साथ मौसमी बीमारियों का खतरा: CMHO ने जारी की स्वास्थ्य एडवायजरी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / कांकेर वर्षा ऋतु के प्रारंभ होते ही क्षेत्र में उल्टी, दस्त, मलेरिया, पीलिया और अन्य संक्रामक रोगों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर ने जिला वासियों से अपील की है कि वे इन बीमारियों के प्रति जागरूक रहें, क्योंकि समय पर उचित रोकथाम और प्रबंधन न होने की स्थिति में ये बीमारियां जानलेवा भी साबित हो सकती हैं।

डॉ. ठाकुर के अनुसार, संक्रमण का मुख्य कारण वायरस, बैक्टीरिया, दूषित भोजन, अस्वच्छ जल और अधपके भोजन का सेवन है। विशेषकर दस्त की समस्या होने पर, यदि रोगी को बार-बार शौच जाना पड़े या मल तरल हो, तो इसे अन्य गंभीर समस्याओं का संकेत माना जाना चाहिए। यदि 03 दिनों के भीतर स्वास्थ्य में सुधार न हो, तो तुरंत '104 आरोग्य सेवा केंद्र' से निःशुल्क परामर्श लेना चाहिए अथवा नजदीकी अस्पताल में संपर्क करना चाहिए।

बचाव के उपायों पर चर्चा करते हुए स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाने-पीने की वस्तुओं को हमेशा ढककर रखें और बासी भोजन या सड़े-गले फलों के सेवन से पूरी तरह बचें। पीने के पानी के लिए केवल उबले हुए जल या क्लोरीन युक्त पानी का ही उपयोग करना सुरक्षित है। व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखते हुए भोजन से पूर्व और शौच के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना आवश्यक है। दस्त की स्थिति में शरीर में पानी की कमी को रोकने के लिए ओ.आर.एस. (जीवन रक्षक घोल) के साथ-साथ घरेलू उपचार जैसे नारियल पानी, नमकीन लस्सी, नींबू की शिकंजी, चावल का मांड और दाल का पानी लगातार लेते रहना चाहिए। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इन दिशा-निर्देशों का पालन कर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत बलौदा के ग्राम पंचायत चारपारा में विशेष कार्यक्रम का किया गया आयोजन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में एकीकृत बाल विकास परियोजना बलौदा के ग्राम चारपारा में महिला एवं बाल विकास द्वारा संचालित ''बेटी बचाओं बेटी पढाओं'' कार्यक्रम अंतर्गत ''ग्लोबल डे ऑफ पैरेन्ट्स'' दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती अनिता अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सशक्त बनाने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। कार्यकम में कहा गया कि बेटियों को सही-गलत की पहचान कर जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना परिवार और समाज की साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर बच्चों को अपने माता-पिता का सम्मान करने, उनकी बातों को समझने और जीवन में अपनाने का संदेश भी दिया गया। साथ ही माता-पिता द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए किए जाने वाले त्याग एवं योगदान पर प्रकाश डाला गया।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई : दाढ़ी नगर पंचायत के प्रभारी सीएमओ रमेश कुमार ध्रुव निलंबित

जांच में अनियमितता एवं कदाचार की पुष्टि होने पर नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किया निलंबन आदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने नगर पंचायत दाढ़ी के प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) एवं मूलपद राजस्व उप निरीक्षक रमेश कुमार ध्रुव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रारंभिक जांच में गंभीर अनियमितताओं एवं कदाचार की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई है।प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार मामले की जांच के लिए टीम गठित की गई थी। जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए जाने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। जिले में सुशासन एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण को शासन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसके आधार पर नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पंचायत दाढ़ी में पदस्थापना के दौरान वार्ड क्रमांक 11 में बजरंगबली मंदिर से लगनी बाई के घर तक निर्मित सीसी रोड के कोर कटिंग परीक्षण में सड़क की मोटाई निर्धारित मानक एम-30 के अनुरूप नहीं पाई गई। इसके अतिरिक्त कार्यालयीन कक्ष में शराब की बोतल रखकर आपत्तिजनक स्थिति में पाए जाने तथा वरिष्ठ कार्यालय द्वारा चेतावनी दिए जाने के बाद भी समय-सीमा की बैठकों में बिना पूर्व सूचना के लगातार अनुपस्थित रहने जैसी शिकायतों की जांच की गई थी। शासन द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि श्री ध्रुव का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के विपरीत गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है।

पुसनार में सीआरपीएफका हेल्थ कैंप, ग्रामीणों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

- बारिश में होने वाली बीमारियों से बचाव के बताए उपाय, मुफ्त दवाइयां बांटी

बीजापुर/मूक पत्रिका

नक्सल प्रभावित रहे पुसनार गांव में 85वीं बटालियन सीआरपीएफ ने गुरुवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाकर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई। शिविर में पुसनार समेत आसपास के गांवों के लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई और आवश्यक दवाइयां प्राप्त कीं। कमांडेंट सुनील कुमार राही के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वाती जायसवाल ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को बारिश के मौसम में दूषित पानी के सेवन से होने वाली बीमारियों, संक्रमण और मौसमी रोगों से बचाव के उपाय भी बताए गए।सीआरपीएफ अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने, उबला या शुद्ध पानी पीने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की समझाइश दी। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही।कमांडेंट सुनील कुमार राही ने बताया कि शिविर का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उन्हें विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि 85वीं बटालियन समय-समय पर जनहित के कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती रही है।उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से सुरक्षा बलों और ग्रामीणों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत होती है तथा विकास गतिविधियों में लोगों की सहभागिता बढ़ती है। शिविर के दौरान द्वितीय कमान अधिकारी सुरेश उरांव, सहायक कमांडेंट डॉ. ज्योति प्रकाश शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वाती जायसवाल सहित बटालियन के अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

जिला चिकित्सालय पहुंचे कलेक्टर, मरीजों से जाना हाल, उपचार और सुविधाओं के बारे में ली प्रत्यक्ष जानकारी

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के नागरिकों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज जिला चिकित्सालय जांजगीर का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण कर मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद किया तथा उपचार, दवाओं की उपलब्धता एवं अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने कहा कि जिले के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अस्पतालों में संसाधनों की उपलब्धता, चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता तथा मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने टीकाकरण कक्ष, ओपीडी, जनआरोग्य केंद्र, दवाई वितरण कक्ष, आयुष्मान भर्ती कक्ष, ट्रॉमा कक्ष, प्रसव कक्ष, पीएनसी वार्ड, आपातकालीन कक्ष, शिशु उपचार इकाई, ऑपरेशन थिएटर तथा डायलिसिस केंद्र सहित विभिन्न विभागों का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, दवाओं की उपलब्धता तथा अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। मरीजों द्वारा बताई गई समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में आवश्यक उपकरणों एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र भेजने को कहा। साथ ही डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए रिक्त पदों की पूर्ति के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सीटी स्कैन कक्ष का भी अवलोकन किया। उन्होंने जांच कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए सीटी स्कैन कक्ष में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु इनवर्टर स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को बेहतर और निर्बाध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय परिसर में मेडिकल कॉलेज के अस्थायी संचालन के लिए प्रस्तावित भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक अधोसंरचना, उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मंत्री दयाल दास बघेल

सुशासन तिहार 2026 : जनसमस्या निवारण शिविर में मंत्री दयाल दास बघेल ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत खेड़ा स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर एसडीएम नवागढ़ श्रीमती दिव्या पोटाई, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती माया हिरा बारले, मंडल अध्यक्ष राकेश राजपुर, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।शिविर में ग्रामीणों ने राशन कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल, बिजली, नामांतरण, सीमांकन एवं कृषि संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न मांगों एवं शिकायतों को प्रशासन के समक्ष रखा। प्राप्त आवेदनों का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष मामलों के त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को मिला लाभ-कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत तीन हितग्राहियों को उनके नए आवासों की चाबियां प्रदान की गई। खाद्य विभाग द्वारा पांच हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए तथा पांच किसानों को किसान किताब प्रदान की गई। इसके अलावा तीन हितग्राहियों को फूड बास्केट का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 09 विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपये तथा कक्षा 10वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। मत्स्य विभाग द्वारा हितग्राहियों को मछली पकड़ने के जाल भी वितरित किए गए।

जनता से सीधे संवाद कर आवेदन देने के लिए किया प्रेरित-मंत्री दयाल दास बघेल ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों का जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से अपनी समस्याओं एवं मांगों को लिखित आवेदन के माध्यम से प्रशासन तक पहुंचाने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन का उद्देश्य प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आम नागरिकों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। सुशासन तिहार के माध्यम से समस्याओं का मौके पर सत्यापन एवं त्वरित निराकरण किया जा रहा है तथा पात्र हितग्राहियों को तत्काल योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

अधिकारियों को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश-मंत्री बघेल ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि केवल कागजी कार्यवाही तक सीमित रहने के बजाय धरातल पर परिणाम दिखाई देने चाहिए।उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी आम जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें।

केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की दी जानकारी-अपने उद्बोधन में मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार गरीबों, किसानों, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की जा रही है तथा 140 मीट्रिक टन से अधिक धान का उपार्जन किया जा चुका है।

'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान को मिल रही गति,मनरेगा से बदल रही ग्रामीण आजीविका की तस्वीर, जिले में 118 आजीविका डबरी निर्माणाधीन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रेमलता पद्माकर के मार्गदर्शन में बेमेतरा जिले में 'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान के तहत जल संरक्षण एवं ग्रामीण आजीविका संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत आजीविका डबरी निर्माण को प्राथमिकता देते हुए जिलेभर में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य संचालित हैं।वर्तमान में जिले में 118 आजीविका डबरियों का निर्माण कराया जा रहा है। इन संरचनाओं का उद्देश्य वर्षा जल का संचयन, भू-जल स्तर में वृद्धि तथा ग्रामीण परिवारों को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। डबरियों के माध्यम से किसानों को मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन एवं पशुओं के लिए पेयजल जैसी सुविधाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

जल संरक्षण के साथ भू-जल संवर्धन को मिलेगा बढ़ावा-आजीविका डबरी निर्माण से वर्षा जल का संचयन होगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भू-जल स्तर में सुधार आएगा। डबरियों में संचित जल का उपयोग सिंचाई, पशुपालन एवं अन्य कृषि गतिविधियों में किया जा सकेगा। इससे जल संकट की समस्या कम होगी और ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।

मत्स्य पालन और सब्जी उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय-डबरियों के माध्यम से हितग्राही किसान मत्स्य पालन, सिंघाड़ा उत्पादन तथा डबरी की मेड़ों पर सब्जी एवं अन्य फसलों का उत्पादन कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकेंगे। यह पहल किसानों के लिए आय के नए स्रोत विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी।

रोजगार सृजन का भी बन रहा माध्यम-मनरेगा के अंतर्गत संचालित इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। प्रत्येक डबरी निर्माण स्थल पर औसतन 1200 से 1500 मानव दिवस का रोजगार सृजित हो रहा है, जिससे जॉब कार्डधारी परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है। इससे ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ-साथ पलायन की समस्या में भी कमी आएगी।

वंचित वर्गों को दी जा रही प्राथमिकता-योजना के अंतर्गत लघु एवं सीमांत किसानों, महिला मुखिया वाले परिवारों तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे समाज के कमजोर वर्गों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिल रही है।

आजीविका डबरी ग्रामीण विकास का प्रभावी मॉडल : सीईओ-जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रेमलता पद्माकर ने कहा कि ÷आजीविका डबरी केवल एक जल संरचना नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों के लिए स्थायी आजीविका का सशक्त मॉडल है। इससे एक ओर जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी।÷ उन्होंने बताया कि जिले की सभी जनपद पंचायतों के कार्यक्रम अधिकारियों एवं ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया है कि मानसून पूर्व सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए, ताकि आगामी वर्षा ऋतु में जल संचयन का अधिकतम लाभ ग्रामीणों को मिल सके।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय में समर कैंप का भव्य शुभारंभ, बच्चों में दिखा सीखने का उत्साह

बरमकेला/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक प्रतिभाओं के संवर्धन तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश को सीखने और नवाचार का अवसर बनाने के उद्देश्य से पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) सरसीवा में समर कैंप-2026 का शुभारंभ 03 जून को उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों के बीच विशेष उत्साह देखने को मिला।उद्घाटन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य भरत लाल कुर्रे, प्रधान पाठक मीना जांगड़े, व्याख्याता उमेश कुमार जांगड़े, आर. के. भोई सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को समर कैंप के महत्व से अवगत कराते हुए इसे अपने व्यक्तित्व और कौशल विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताया।प्राचार्य भरत लाल कुर्रे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल पुस्तक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास का विकास भी आवश्यक है। पीएम श्री विद्यालयों में समर कैंप इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर आयोजित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि के क्षेत्रों में नई-नई विधाएं सीख सकें और अपनी छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखार सकें।

समर कैंप के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, कला एवं शिल्प, टेराकोटा (मिट्टी कला), बांस शिल्प, ज्वेलरी मेकिंग, सेल्फी जोन निर्माण, मॉडलिंग एवं ब्यूटी पार्लर कोर्स, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, कम्युनिकेशन स्किल विकास, टॉय मेकिंग, वेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, व्यक्तित्व विकास एवं अन्य कौशल आधारित प्रशिक्षण शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि व्यवहारिक ज्ञान और जीवनोपयोगी कौशल भी प्राप्त होंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को ग्राम पंचायतों में होगी विशेष ग्राम सभा

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण एवं प्लास्टिक मुक्त गांव बनाने पर होगा विशेष फोकस

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिले सहित राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में 5 जून 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। ग्राम सभाओं में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर संकल्प पारित किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व), जनपद पंचायतों एवं ग्राम पंचायतों को विशेष ग्राम सभा के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 की दी जाएगी जानकारी-विशेष ग्राम सभा के दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की अनुवादित प्रति का वाचन कर ग्रामीणों को नियमों एवं उनके महत्व से अवगत कराया जाएगा। ग्राम सभा में स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक संकल्प भी पारित किए जाएंगे।

ग्राम सभा की होगी वीडियो रिकॉर्डिंग-निर्देशानुसार विशेष ग्राम सभा की कार्यवाही की अधिकतम 15 मिनट की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। ग्राम सभा में लिए गए निर्णयों एवं संकल्पों को निर्धारित मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से अपलोड किया जाएगा, जिससे गतिविधियों की निगरानी एवं दस्तावेजीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' विषय पर होगा विशेष जोर-विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम ÷स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु÷ को ध्यान में रखते हुए ग्राम सभाओं में समुदाय आधारित स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा जमीनी स्तर पर सतत एवं व्यवहारिक उपायों को बढ़ावा देने पर विशेष चर्चा की जाएगी।

सेवा-सेतु पोर्टल के माध्यम से अब राशनकार्ड के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

नवीन राशनकार्ड, सदस्य जोड़ने एवं विलोपन की प्रक्रिया हुई ऑनलाइन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आम नागरिकों को बेहतर एवं सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अब सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा छत्तीसगढ़ खाद्य एवं पोषण सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत नवीन राशनकार्ड जारी करने, राशनकार्ड में सदस्य जोड़ने एवं विलोपित करने की प्रक्रिया को सेवा-सेतु पोर्टल (ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल) के माध्यम से ऑनलाइन कर दिया गया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार नागरिक अब सेवा-सेतु पोर्टल के माध्यम से स्वयं अथवा लोक सेवा केंद्रों के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। यह सुविधा सभी नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों तथा लोक सेवा केंद्रों में उपलब्ध रहेगी।लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन करने पर हितग्राही को निर्धारित 30 रुपये शुल्क का भुगतान करना होगा। ऑनलाइन आवेदन के दौरान आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के पश्चात आवेदक को आवेदन रसीद क्रमांक प्राप्त होगा। प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण एवं सत्यापन प्राधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी द्वारा किया जाएगा। इसके पश्चात स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा पात्रता के आधार पर नवीन राशनकार्ड जारी करने अथवा सदस्य जोड़ने एवं विलोपन संबंधी आवेदन पर निर्णय लिया जाएगा। स्वीकृति उपरांत राशनकार्ड पीडीएफ ऑनलाइन जनरेट होगा, जिस पर प्राधिकृत अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर अंकित किए जाएंगे। हितग्राही संबंधित कार्यालय, लोक सेवा केंद्र अथवा स्वयं सेवा-सेतु पोर्टल से राशनकार्ड की पीडीएफ डाउनलोड कर प्राप्त कर सकेंगे। राशनकार्ड जारी होने के बाद मुखिया एवं सभी सदस्यों को उचित मूल्य दुकान में ई-पॉस मशीन अथवा फेस ई-केवाईसी के माध्यम से ई-केवाईसी कराने के लिए भी निर्देशित किया जाएगा।

जिले के सभी संबंधित कार्यालयों, लोक सेवा केंद्रों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों एवं उचित मूल्य दुकानों में इस नई ऑनलाइन सुविधा के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु बैनर, पोस्टर तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि राशनकार्ड संबंधी सेवाओं का लाभ लेने के लिए सेवा-सेतु पोर्टल की ऑनलाइन सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें।

रायगढ़ जिले में बिना लाइसेंस के धड़ल्ले से फल-फूल रहा सूदखोरी का कारोबार

रायगढ़ /मूक पत्रिका

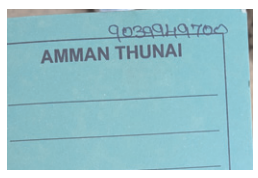

जिले भर में तेजी से सूदखोरी का कारोबार फल-फूल रहा है। सूदखोरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गली-गली में 20-25 प्रतिशत ब्याज पर पैसे देने वाले सक्रिय हैं। सूदखोरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि ब्याज पर दिए गए पैसे से दोगुना वसूलने के बाद भी अपने गुर्गों के जरिए लोगों पर दबाव डालकर अतिरिक्त पैसे वसूल रहे हैं। हालांकि, पुलिस सूदखोरी के मामलों में लगातार कार्रवाई कर रही है। इसके बावजूद घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं सूदखोरी का रैकेट बाजारों में भी घुस गया है। लेकिन ऊंची पहुंच और रसूखदारों से संबंध होने के कारण उन पर सीधे कार्रवाई नहीं की जा रही है। ज्यादातर पीड़ित भय के मारे पुलिस तक नहीं पहुंच रहे हैं। जो हिम्मत जुटाकर पहुंचे भी रहे हैं, पुलिस अफसरों के अनुसार सूद के पैसों की कोई लिखापढ़ी नहीं रहती है। लेन-देन भी जुबानी होता है। ऐसे में सीधी कार्रवाई के लिए पर्याप्त सबूत नहीं रहते। हालांकि अधिकारी खुद भी मान रहे है शहर में कई गिरोह काम कर रहे हैं। उसके बताये जानकारी मुताबिक सबसे ज्यादा रायगढ़ से लेकर पुसौर, सरिया, कटंगपाली से लेकर बरमकेला तक सूदखोरो का मकड़जाल फैला हुआ है शहर में सूदखोरी का धंधा चरम पर है। इनमें ज्यादातर बगैर लाइसेंस के ब्याज पर रुपए देने का धंधा करते हैं। इतना ही नहीं लाइसेंसी मनीलेंडर (उधार देने वाले) भी नियमों को ताक पर रखकर वसूली करते हैं। ये लोग छोटे कर्मचारियों, मजदूरों, ठेला, सब्जी पसरा, छोटे छोटे दुकानदारो को जरुरत के हिसाब लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर मोटे ब्याज पर कर्ज देते हैं।

कांकेर के हिदूर जंगलों से 03 टिफिन आईईडी बरामद, सुरक्षा बलों ने मौके पर किया ढेर

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-उत्तर बस्तर कांकेर जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले के थाना छोटेबेठिया अंतर्गत ग्राम हिदूर के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा लगाए गए 03 नग टिफिन आईईडी (ढ्ढश्वष्ठ) बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि बरामद किए गए प्रत्येक आईईडी का वजन लगभग 03-03 किलोग्राम था, जिन्हें बीडीएस (क्चष्ठस्) की टीम ने पूरी सतर्कता के साथ मौके पर ही डिफ्यूज कर नष्ट कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी. और बीएसएफ भानुप्रतापपुर के डीआईजी दीपक तिवारी के मार्गदर्शन में सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा और 83वीं वाहिनी बीएसएफपखांजूर के सेनानी अरूण सिंह गंगवार के निर्देशन में जिला पुलिस, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम हिदूर के जंगलों में गश्त पर निकली थी। सर्चिंग के दौरान सुरक्षा बलों की सजगता से इन खतरनाक आईईडी का पता चला, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई।

इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में टीम कमांडर अमित कुमार (एसी बीएसएफ 83वीं वाहिनी), अरूण कुमार गौतम (बीएसएफ 83वीं वाहिनी) और बीडीएस टीम कमांडर सेक्टर भानुप्रतापपुर के प्रधान आरक्षक मनोज कुमार की विशेष भूमिका रही। पुलिस प्रशासन का कहना है कि नक्सल प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार संयुक्त अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन अभियानों से नक्सलियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई और सघन सर्चिंग जारी रहेगी।

माँ विहार बना असामाजिक तत्वों का अड्डा,नशेड़ी और गुंडे मचा रहे आतंक, रहवासी दहशत में

रायगढ़ /मूक पत्रिका

शहर के माँ विहार कॉलोनी आपराधिक लोगों का अड्डा बन गई है। शाम होते ही शराबियों के उत्पात से सहमे कॉलोनी के बसिंदे दरवाजा बंद कर लेते हैं। हालात इतने बदतर हैं कि पिछले एक पखवाड़े से कई गुटों में जमकर झगड़े हो रहे हैं। सरकार ने गरीबों को छत मुहैया कराने के माँ विहार कॉलोनी आवास बनाए। नगर निगम के अंतर्गत केलो नदी के किनारे मरीन ड्राइव का निर्माण के लिए कई घर फूटे जिन परिवारों के घर फूटे उन परिवारों को माँ विहार कॉलोनी में मैं शिफ्ट किया गया उन्हें उनका नया आशियाना दिया गया और क्षेत्र के कई परिवारों को सुरक्षित आशियाना भी मिला लेकिन अब बाहरी तत्वों की सक्रियता के कारण माँ विहाट कॉलोनी असामाजिक तत्वों और शराबियों का अड्डा बन गई है। शाम होते ही कुछ आपराधिक लोग कॉलोनी में पहुंच जाते हैं और पार्किंग मे दारु, गांजा पीना सुरु कर देते है इतना ही नहीं कुछ लोगों ने जब इसके खिलाफ आवाज उठाई तो डराने धमकाने लगते है । डर के कारण कॉलोनी के लोग शाम होते ही दरवाजा बंद कर लेते हैं। चूंकि इस कॉलोनी में दर्जन घर बंद पड़े हैं। इन घरों के मालिक कई महीनों से नहीं आए हैं। यहां पर शराब गांजा पीने के अलावा अन्य गैरकानूनी काम भी होते हैं। इधर पुलिस की निसक्रियता के कारण आपराधिक गतिविधियों पर लगाम नहीं लगा पा रही है। लेकिन अगर समय रहते पुलिस ने सख्ती नहीं बरती तो कभी भी कोई बड़ी घटना हो सकती है माँ विहार कॉलोनी अब नशेड़ियों और आवारा लड़कों का अड्डा बन गया है। रहवासियों का आरोप है कि यहां दिन-रात नशे का कारोबार चलता है और शाम होते ही इन तत्वों के जमावड़े से आम नागरिकों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि यहां जुटने वाले लोग न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, बल्कि राह चलती महिलाओं और लड़कियों पर फब्तियां भी कसते हैं। जब भी कॉलोनी के लोग इसका विरोध करते हैं, तो असामाजिक तत्व उन्हें डराने-धमकाने लगते हैं। इन तत्वों के बेखौफ रवैये के कारण पूरी कॉलोनी में दहशत का माहौल है। प्रशासनिक उपेक्षा और पुलिस की निष्क्रियता के कारण बदहाल स्थिति में पहुंच गये हैं. लोगों ने आशंका जतायी है कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गयी, तो यहां किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता. अब सवाल उठ रहा है कि आखिर कब तक सरकारी संपत्तियों पर असामाजिक तत्वों का कब्जा बना रहेगा और प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम कब उठाएगा

विधायक दीपेश साहू ने किया लोकार्पण, किसानों और ग्रामीणों को मिलेगा निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ

मात्र 8 माह में बनकर तैयार हुआ 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र, क्षेत्र को मिली बड़ी सौगात

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम माटरा में नवनिर्मित 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं फीता काटकर विद्युत उपकेन्द्र के लोकार्पण के साथ किया गया।इस अवसर पर विधायक श्री दीपेश साहू ने कहा कि यह केवल एक विद्युत उपकेन्द्र का उद्घाटन नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास, किसानों की समृद्धि और ग्रामीण जनजीवन को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि लगभग आठ माह पूर्व इस परियोजना का भूमिपूजन किया गया था और आज यह रिकॉर्ड समय में पूर्ण होकर जनता को समर्पित की जा रही है।

क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा विद्युत उपकेन्द्र-अपने संबोधन में विधायक साहू ने कहा कि ग्राम माटरा सहित पूरे क्षेत्र के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि सामान्यतः इस प्रकार की परियोजनाओं को पूर्ण होने में लंबा समय लगता है, लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारियों, अभियंताओं एवं निर्माण एजेंसियों ने निरंतर निगरानी, समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए इसे निर्धारित समय में पूरा किया है। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास का आधार मजबूत अधोसंरचना होती है और सड़क, पानी तथा बिजली किसी भी क्षेत्र की प्रगति की रीढ़ हैं। नया 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र क्षेत्र में बढ़ते विद्युत भार को कम करेगा, वोल्टेज की समस्या का समाधान करेगा तथा किसानों को सिंचाई के लिए बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराएगा। इससे घरेलू उपभोक्ताओं, छोटे व्यापारियों तथा ग्रामीण उद्योगों को भी प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को मिल रही गति-विधायक साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को धरातल पर उतारने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल घोषणाएं नहीं करती, बल्कि योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कर जनता तक उसका लाभ पहुंचाती है। ग्राम माटरा का यह विद्युत उपकेन्द्र उसी सोच और संकल्प का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में क्षेत्र में अधोसंरचना विकास, जनसुविधाओं के विस्तार तथा किसानों के हित में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जिससे गांवों तक विकास की रोशनी और अधिक मजबूती के साथ पहुंचेगी।

÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत किया वृक्षारोपण-कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एवं ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान से प्रेरित होकर विद्युत उपकेन्द्र परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान विधायक श्री दीपेश साहू ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित वातावरण प्रदान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से पौधारोपण के साथ-साथ उसके संरक्षण का भी संकल्प लेने का आह्वान किया।

जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की रही उल्लेखनीय उपस्थिति-कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, भाजपा मंडल बेरला के अध्यक्ष डोमेंद्र सिंह राजपूत, जनपद पंचायत सदस्य राजेश साहू, पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ. एन.के. तिवारी, विधायक प्रतिनिधि किसुन लाल साहू, उकेंद्र साहू, ग्राम पंचायत माटरा के सरपंच देवशरण साहू, सेवा सहकारी समिति माटरा के अध्यक्ष खुमान साहू, थानेश्वर साहू, संजू सिंह राजपूत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।विद्युत उपकेन्द्र के लोकार्पण पर क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनप्रतिनिधियों, विद्युत विभाग तथा प्रशासन के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस उपकेन्द्र के शुरू होने से क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा किसानों एवं आम उपभोक्ताओं

संपादकीय

बंगाल में चुनाव बाद फिर सुलगा सियासी संग्राम

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बावजूद चुनाव बाद हिंसा और राजनीतिक टकराव थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। टीएमसी नेताओं पर हमलों, बढ़ते राजनीतिक तनाव और कानून-व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों ने राज्य की शासन व्यवस्था पर नई चिंता खड़ी कर दी है।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव इस बार ऐतिहासिक बदलाव लेकर आया। हालांकि ऐसा लग रहा है कि यह बदलाव केवल सत्ता के स्तर पर हुआ है, जमीनी हकीकत अब भी वही है। राज्य पहले की तरह ही चुनाव बाद की हिंसा और बदले की कार्रवाइयों में फंसा हुआ है। टीएमसी नेताओं पर हालिया हमलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पहले पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में निशाना बनाया गया। पार्टी इस मुद्दे को अदालत ले जाने और लोकसभा स्पीकर के सामने उठाने की तैयारी में है। इसके बाद, टीएमसी के चीफ विप कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया कि हुगली जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र में उन पर हमला हुआ। तृणमूल कांग्रेस इन हमलों के लिए भाजपा पर आरोप लगा रही है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि ममता शासन के खिलाफ लोगों का दबा गुस्सा अब बाहर निकल रहा है।

हालांकि राजनीतिक हिंसा को किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। राज्य ने इस बार बदलाव के लिए वोट दिया है और यह बदलाव राजनीतिक परिदृश्य में भी दिखना चाहिए। भाजपा ने लॉ एंड ऑर्डर को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब सरकार में होने के नाते सभी की सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर आती है। किसी को भी किसी भी वजह से कानून हाथ में लेने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। चुनाव बाद हिंसा बंगाल की बहुत पुरानी बीमारी है। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद भी हिंसा के सैकड़ों केस दर्ज किए गए थे।

तब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने 1900 से ज्यादा मामलों की जांच की थी। इसमें स्थानीय पुलिस-प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए गए थे। हालांकि इससे न तो 2023 के पंचायत चुनाव और न ही 2024 के आम चुनावों में कोई सबक लिया गया। इस बार भी चुनाव परिणाम घोषित होते ही कई जगह से तोड़फोड़, मारपीट की खबरें आईं। सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या हुई। रिजल्ट आने के तीन दिन बाद ही बंगाल पुलिस ने 200 से ज्यादा केस दर्ज कर 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। अपने नेताओं पर हमले के विरोध में ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने प्रदर्शन किया। उसके और सत्ताधारी भाजपा के बीच तनाव बना हुआ है। इसका असर शीर्ष नेताओं से लेकर नीचे कार्यकर्ताओं तक दिख रहा है। कानून-व्यवस्था के लिहाज से यह स्थिति चिंताजनक है। सरकार और विपक्ष के बीच अगर ऐसे ही टकराव चलता रहा, तो शासन से जुड़े कामकाज पर असर पड़ेगा।

'शिंदे फॉर्मूला' बंगाल तक पहुंचा! दीदी की टीएमसी में बिखराव के मिलने लगे संकेत

(सुधांशु माहेश्वरी)

असल में महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव हुए थे जिसमें बीजेपी और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और उस गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ था। लेकिन क्योंकि शिवसेना को मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, नाराज होकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिला लिया और महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास अघाड़ी का जन्म हुआ। इस महाविकास अघाड़ी ने सरकार बनाई और बीजेपी को विपक्ष में बैठने पर मजबूर कर दिया। लेकिन उस पूरे सियासी घटनाक्रम में एक और किरदार था। वह था एकनाथ शिंदे। बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने वाले एकनाथ शिंदे कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाने को राजी नहीं थे।

टीएमसी में जारी बवाल में इस समय कुछ अहम पहलू दिखाई दे रहे हैं। नाराज विधायक, ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई और इस्तीफों का सिलसिला।पश्चिम बंगाल चुनाव में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहली बार उसने सिर्फ सरकार नहीं बनाई, बल्कि बहुमत हासिल कर ममता बनर्जी की टीएमसी को करारी शिकस्त दी। चुनाव में बीजेपी 208 सीटें जीतने में सफल रही जबकि टीएमसी का आंकड़ा 80 सीटों पर सिमट गया। बाद में दो विधायकों को निष्कासित कर दिया गया। ऐसे में अब उनके पास विधानसभा में मात्र 78 सीटें हैं।

इस करारी शिकस्त के बाद मंथन करने के लिए टीएमसी ने तीन बार बैठक बुलाई। 6 मई को बैठक बुलाई गई तो 10 विधायक पहुंचे ही नहीं। फिर 19 मई को बैठक बुलाई गई तो 35 विधायक नदारद रहे। उसके बाद 31 मई को बुलाई गई बैठक में तो सबसे बड़ा खेल हुआ और 80 में से 60 विधायक मीटिंग में पहुंचे ही नहीं।

इसके ऊपर ममता की टीएमसी में इस्तीफों की झड़ी भी लग चुकी है। टीएमसी प्रवक्ता बिस्वजीत देब ने इस्तीफा दिया है। शांतनु सिंह, अभिजीत मजूमदार, काकोली घोष और अरुप चक्रवर्ती ने भी अपना पद छोड़ दिया है। इसके अलावा डायमंड हार्बर से 8 पार्षदों का इस्तीफा हुआ है। चंदननगर से 30 पार्षद, भाटपाड़ा से 30, गारुलिया से 18, हलिशहर से 16, उत्तर बैरकपुर से 15 और कांचरापाड़ा से 14 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं।

इन इस्तीफों के अलावा ममता बनर्जी ने उलूबेरिया से विधायक ऋत्रब्रत बनर्जी और एंटाली से विधायक संदीपन साहा को निष्कासित कर दिया। आरोप लगा कि दोनों पार्टी विरोधी गतिविधियों में सक्रिय थे। लेकिन असल विवाद यह था कि इन दोनों ही विधायकों ने नेता प्रतिपक्ष से जुड़े प्रस्ताव और उस पर लिए गए हस्ताक्षरों की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। संदीपन साहा तो यहां तक कह चुके थे कि इसमें ऐसे विधायकों के हस्ताक्षर भी शामिल हैं जो असल में बैठक में शामिल तक नहीं हुए थे। इन आरोपों के बाद ही दोनों विधायकों को निष्कासित कर दिया गया।

विधायकों का नदारद होना, कुछ को निष्कासित कर देना और लगातार इस्तीफों का सिलसिला इस बात की ओर जरूर इशारा करता है कि टीएमसी में इस समय सब कुछ 'ऑल इज वेल' नहीं है।

मीडिया की एक रिपोर्ट दावा करती है कि कोलकाता के 'विधायक हॉस्टल' में टीएमसी नेताओं की एक सीक्रेट बैठक हो चुकी है। इस बैठक में निष्कासित विधायक के साथ-साथ कई असंतुष्ट नेता शामिल हुए और टीएमसी के भविष्य, संगठनात्मक बदलाव और नए राजनीतिक विकल्पों को लेकर चर्चा की गई।

बड़ी बात यह है कि ममता बनर्जी ने खुद पार्टी को कमजोर करने जैसी साजिशों के आरोप लगा दिए हैं। उनका कहना है कि पार्टी को कमजोर करने और तोड़ने की एक संगठित साजिश चलाई जा रही है। ममता का यह कहना ही बता रहा है कि जमीन पर असंतोष है और उन्हें भी इस बात की चिंता जरूर सता रही है कि क्या टीएमसी टूट जाएगी।

टीएमसी में जारी बवाल में इस समय कुछ अहम पहलू दिखाई दे रहे हैं। नाराज विधायक, ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई और इस्तीफों का सिलसिला। जानकार इस पैटर्न की तुलना महाराष्ट्र से करने लगे हैं जहां 2022 में एकनाथ शिंदे ने भी एक बड़ा उलटफेर किया था। उन्होंने शिवसेना में दो फाड़ कर दी थी और कई विधायकों को अपने साथ लेकर पूरी पार्टी पर कब्जा जमा लिया था।

असल में महाराष्ट्र में 2019 के विधानसभा चुनाव हुए थे जिसमें बीजेपी और शिवसेना ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था और उस गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ था। लेकिन क्योंकि शिवसेना को मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, नाराज होकर उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिला लिया और महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास अघाड़ी का जन्म हुआ। इस महाविकास अघाड़ी ने सरकार बनाई और बीजेपी को विपक्ष में बैठने पर मजबूर कर दिया।

लेकिन उस पूरे सियासी घटनाक्रम में एक और किरदार था। वह था एकनाथ शिंदे। बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलने वाले एकनाथ शिंदे कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाने को राजी नहीं थे।

इसके बाद 20 जून 2022 को महाराष्ट्र विधान परिषद के चुनाव हुए और पता चला कि एकनाथ शिंदे और कुछ दूसरे विधायक मुंबई से बाहर जा रहे हैं। फिर खबर आई कि वे गुजरात के सूरत पहुंच चुके हैं। अगले ही दिन कई विधायकों को लापता बताया गया। उद्धव ठाकरे ने खतरा देखते हुए आपात बैठक बुलाई, लेकिन कई विधायक पहुंचे ही नहीं। यहीं से संकेत मिल चुके थे कि शिवसेना में दो फाड़ हो चुकी है।

इसके बाद 22 जून को शिंदे गुट असम के गुवाहाटी पहुंच गया। विधायकों की संख्या वहां बढ़ती गई। दावा किया गया कि 40 शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे के साथ हैं। फिर 22 से 28 जून तक दावों का खेल चलता रहा। शिंदे गुट की तरफ से लगातार कहा गया कि उद्धव ठाकरे के पास बहुमत नहीं है और वह सरकार में नहीं बने रह सकते।

फिर 29 जून को फ्लोर टेस्ट की नौबत आई, लेकिन उसके ठीक पहले उद्धव ठाकरे ने इस्तीफा दे दिया। फिर 30 जून को एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने और उन्होंने बीजेपी से हाथ मिला लिया। तब देवेंद्र फड़नवीस को डिप्टी सीएम बना दिया गया।

सरकार बना ली गई थी, लेकिन असली शिवसेना पर कब्जा करना बाकी था। ऐसे में यह मामला चुनाव आयोग के पास चला गया, जिसने 8 अक्टूबर 2022 को शिवसेना के धनुष-बाण वाले चुनाव चिन्ह को ही फ्रीज कर दिया। तब दो शिवसेना अस्तित्व में आईं। एक का नाम शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) रखा गया और दूसरी का नाम बालासाहेबांची शिवसेना यानी शिंदे गुट।

फिर लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक गई। मई 2023 में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने फैसला सुनाया कि उद्धव ठाकरे वापस मुख्यमंत्री नहीं बन सकते क्योंकि उन्होंने फ्लोर टेस्ट से पहले ही इस्तीफा दे दिया था। वहीं असली शिवसेना को लेकर अदालत ने कोई फैसला नहीं दिया और मामला चुनाव आयोग के पास ही रहा।

फिर 17 फरवरी 2023 को चुनाव आयोग ने सबसे बड़ा फैसला सुनाते हुए एकनाथ शिंदे गुट को ही असली शिवसेना घोषित कर दिया। धनुष-बाण वाला चुनाव चिन्ह भी उनके खाते में गया। इस तरह एकनाथ शिंदे ने पूरी शिवसेना पर अपना कब्जा कर लिया और उद्धव ठाकरे अलग-थलग पड़ गए। जानकार इसी को महाराष्ट्र का 'शिंदे फॉर्मूला' बताते हैं जहां सबसे पहले बागी विधायकों की नाराजगी को हवा दी जाती है, फिर उन्हें पक्ष बदलने के लिए मनाया जाता है और आखिर में सबसे बड़ा खेल होता है-दो फाड़।

अब इस समय पश्चिम बंगाल की राजनीति में टीएमसी के कई विधायक नाराज बताए जा रहे हैं। कुछ मीडिया के सामने आकर अभिषेक बनर्जी की नीतियों की खुले तौर पर आलोचना कर रहे हैं, तो कुछ दबी जुबान ममता बनर्जी की कार्यशैली पर भी सवाल उठा रहे हैं। कई विधायकों का बैठकों से नदारद होना भी एक संकेत दे रहा है। इसी वजह से ऐसी अटकलें चल पड़ी हैं कि क्या 80 में से नदारद रहे 60 विधायक पार्टी को तोड़ भी सकते हैं?अभी इस सवाल का जवाब तो भविष्य की गर्भ में छिपा है, लेकिन ममता बनर्जी ने खतरे को भांपते हुए सड़क पर उतरने का फैसला किया है। उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हो रहे हमलों को लेकर उन्होंने आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। कोलकाता पुलिस ने उन्हें इजाजत नहीं दी है, लेकिन ममता ने भी तेवर दिखाते हुए दिल्ली कूच करने की चेतावनी दे दी है।यहां समझने वाली बात यह है कि सड़क पर उतरी ममता बनर्जी की असल पहचान भी यही है। जानकार मानते हैं कि ममता बनर्जी की एक स्ट्रीट फाइटर की इमेज है। सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों ने उनकी छवि को मजबूत भी किया था। उन आंदोलनों के दम पर 34 साल के वामपंथी राज को भी खत्म किया गया था।

लेकिन तब की स्थिति और आज की स्थिति में बड़ा फर्क है। जब लेफ्ट से लड़ाई चल रही थी तब ममता की टीएमसी एकजुट थी। शुभेंदू अधिकारी जैसे बड़े नेता भी ममता के साथ खड़े थे। लेकिन आज की चुनौतियां और आज का परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। बंगाल में बीजेपी की सरकार है, टीएमसी के कई विधायक ममता और अभिषेक से नाराज बताए जा रहे हैं, पार्टी के अंदर ओल्ड बनाम यंग गार्ड की लड़ाई छिड़ चुकी है और लगातार हो रहे इस्तीफे सियासी तापमान बढ़ा रहे हैं।

ममता की सड़क पॉलिटिक्स क्या एक बार फिर टीएमसी को खड़ा कर पाएगी? इस सवाल का जवाब ही टीएमसी का भविष्य भी तय करेगा और ममता दीदी की आगे की रणनीति भी। (यह

जहां हम खड़े होते हैं, हमारी रीढ़ भी वहीं खड़ी होती है

(अभिषेक पाण्डेय)

ऐन रैंड का उपन्यास द फाउंटेनहेड मौलिकता और भेड़चाल के संघर्ष को सामने लाता है। हावर्ड रॉर्क आत्मनिर्भर सोच और सिद्धांतों का प्रतीक है, जबकि पीटर कीटिंग सामाजिक स्वीकृति का। जहां हम खड़े होते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है। अमिताभ बच्चन ने सिर्फ भारी-भरकम डायलॉग भर नहीं बोला था बल्कि कॉन्फिडेंस से भरे इंसानी मिज़ाज, आत्मसम्मान और चरम व्यक्तिवाद की एक ऐसी हुंकार भरी, जो सदियों के सामाजिक बंधनों को एक झटके में तोड़ देती है। जब हम इस डायलॉग की गहराई में उतरते हैं, तो हमें एहसास होता है कि यह बात सीधे तौर पर उस वैचारिक धरातल से जुड़ती है, जिसे हमने कभी हावर्ड रॉर्क के मुंह से एकदम अमिताभ बच्चन स्टाइल में बोलते हुए पढ़ा था - मैं किसी और के लिए नहीं जीता और न ही किसी और से ये उम्मीद करता हूं कि वह मेरे लिए जिए। आज से करीब 83 साल पहले ऐन रैंड ने अपने मशहूर उपन्यास ' द फाउंटेनहेड ' में यह फिलॉसफी पेश की थी। इस उपन्यास में दो मुख्य किरदार हैं - हावर्ड रॉर्क और पीटर कीटिंग जो आज के समाज का सबसे बड़ा विरोधाभास हैं। दोनों ही आर्किटेक्ट हैं। रॉर्क एक ऐसा नायक है जो अपने सिद्धांतों और मौलिकता के लिए पूरी दुनिया से लड़ जाता है, वहीं दूसरी तरफ पीटर कीटिंग है, जो समाज की नजरों में सफल होने के लिए अपनी मौलिकता को मारकर सिर्फ भेड़चाल का हिस्सा बनता है। रैंड के उपन्यास के हीरो हावर्ड रॉर्क को पसंद जरूर किया गया हो, लेकिन आज की कड़वी सच्चाई यह है कि हम सब धीरे-धीरे हावर्ड रॉर्क बनने का हौसला खो रहे हैं और पीटर कीटिंग की जमात में शामिल होते जा रहे हैं। अगर हम इस वैचारिक कशमकश को भारतीय संदर्भ में देखें, तो हमारी परवरिश की बुनियाद ही एक बिल्कुल अलग विरोधाभास पर टिकी है। बचपन से हमें सिखाया जाता है 'जैसा देश, वैसा भेष'। पहली नज़र में यह बात सामाजिक सामंजस्य के लिए ठीक लगती है कि जहां रहो, वहां के सामाजिक माहौल में ढल जाओ लेकिन धीरे-धीरे यह मुहावरा हमारी मौलिकता यानी ओरिजिनैलिटी को कुचलने का एक औज़ार बन जाता है और हमें पता ही नहीं चलता। सच तो यह है कि हमारी परवरिश कुछ इस तरह होती है कि हमें खुद को तलाशने के बजाय, समाज की कसौटियों पर फिट होने के लिए तैयार किया जाता है। स्कूल जाओ, टीचर सवालों के जवाब लिखवा देती हैं और उम्मीद करती हैं कि सभी बच्चे उसी जवाब को रटा-रटाया, जस का तस लिखें एग्ज़ाम में। थोड़ा सा जवाब इधर-उधर हुआ नहीं, बच्चे ने वही बात अपनी भाषा में लिखी नहीं कि पूरे नंबर कट। स्कूल की कॉपियों से लेकर जीवन के फैसलों तक, हमारी तारीफ इस बात पर नहीं होती कि हमने नया क्या सोचा, बल्कि इस बात पर होती है कि हमने पहले से बनाए गए नियमों का कितनी खामोशी से पालन किया। यही भेड़चाल आगे चलकर हमारे करियर के फैसलों में दिखती है। बिना यह सोचे-समझे कि बच्चे का अपना टैलंट क्या है, उसकी दिलचस्पी क्या है, लाखों बच्चों को कोटा, इंजीनियरिंग या पीएससी की एक ही अंधी भट्टी में झोंक दिया जाता है। किसी एक कोचिंग का रिज़ल्ट आया नहीं कि पूरा समाज अपने बच्चों को उसी रास्ते पर दौड़ा देता है। हम पीटर कीटिंग पैदा करने वाली फैक्ट्रियां चला रहे हैं, जहां युवा अपनी इच्छा से नहीं, बल्कि समाज में रुतबा दिखाने के लिए करियर चुनते हैं। हमें यह सिखाया जाता है कि समाज की नजरों में क्या कमी है, उसे सुधारो न कि इस बात पर जोर दिया जाता है कि हमारे अंदर की ताकत क्या है। यह जो कंडीशनिंग है, वह इंसान को अपनी शर्तों पर जीने के बजाय दूसरों की उम्मीदों का गुलाम बना देती है। इस तरह हम फॉलोअर्स की जमात तो तैयार कर लेंगे लेकिन लीडर कहां से लाएंगे, यह कोई नहीं सोच रहा है। सोशल मीडिया के इस दौर में हर कोई एल्गोरिदम के इशारों पर नाच रहा है और एक जैसी भेड़चाल का हिस्सा बनता जा रहा है। अगर इंस्टाग्राम पर कोई एक रील या ऑडियो क्लिप ट्रेंड कर गई, तो देश के लाखों लोग, चाहे वो स्टूडेंट हों, डॉक्टर हों या कोई और, अपनी गरिमा भूलकर उसी गाने पर एक जैसे स्टेप्स दोहराने लगते हैं। यह क्रिएटिविटी नहीं, बल्कि डिजिटल गुलामी है। यहां तक कि हमारा घूमना-फिरना और सुकून भी अब फेयर आफ मिसिंग आउट और दूसरों को दिखाने की भेड़चाल से तय होता है। लोग किसी जगह को महसूस करने नहीं जाते, बल्कि सोशल मीडिया के बताए इंस्टा वारेथी या एस्थेटिक पॉइंट्स पर रील बनाने और फोटो खिंचाने जाते हैं। पहाड़ों पर लगने वाला मीलों लंबा ट्रैफिक जाम प्रकृति प्रेम का नहीं, बल्कि इसी नकलची संस्कृति का नतीजा है।अगर आप भीड़ से अलग कोई राय रखते हैं या स्थापित मान्यताओं पर सवाल उठाते हैं, तो डिजिटल दुनिया आपको तुरंत अलग-अलग कर देगी, कैंसल या बॉयकॉट कर देने का डर दिखाने लगती है।

हिन्दी पत्रकारिता की दशा और दिशा

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं।

(योगेश कुमार गोयल)

अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर। यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई। यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था 'समाचार सूर्य'। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र 'उदन्त मार्तण्ड' 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया।

4 दिसम्बर 1826 से 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। 'उदन्त मार्तण्ड' के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया। अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल चुकी हैं और हिन्दी पत्रकारिता भी मिशन न रहकर एक बड़ा व्यवसाय बन गई है किन्तु अच्छी बात यह है कि आज भी हिन्दी पाठक व दर्शक अपनी-अपनी पसंद के अखबारों व चैनलों के साथ पूरी शिद्दत से जुड़े हैं।

बहरहाल, घर बैठे-बैठे दुनिया की सैर कराने की बात हो या देश-विदेश की हर छोटी-बड़ी हलचल से लेकर तमाम ज्वलंत मुद्दों और हर प्रकार की नवीनतम जानकारियों को जुटाकर अपने पाठकों या दर्शकों के सामने प्रस्तुत करने की, व्यवसायीकरण के आरोपों या तमाम विरोधाभासों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता भी यह काम बखूबी कर रही है और आमजन के भरोसे पर खरा उतरते हुए हिन्दी पत्रकारिता आज आम जनजीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। अधिकांश हिन्दी समाचारपत्रों के अब ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध हैं। विगत कुछ वर्षों में देश में बड़े-बड़े घोटालों का पर्दाफाश करके अनेक सफेदपोशों के चेहरों पर पड़े नकाब उतार फैंकने का श्रेय भी पत्रकारिता जगत को ही जाता है, जिसमें हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को भी किसी भी लिहाज से कमतर नहीं आंका जा सकता।

जहां तक राष्ट्रीय अखंडता में प्रेस की भूमिका और इसके दायित्वों का प्रश्न है तो प्रेस के कई प्रमुख दायित्व माने गए हैं, जिनमें कानून व्यवस्था की खामियों को प्रकाशित-प्रसारित करना, अपने प्रयासों से शासन को सुव्यवस्थित करना व लोक हितकारी बनाना, पथभ्रष्टों को सन्मार्ग पर लाना, भ्रष्ट तंत्र को चौकन्ना बनाना, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखना, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में पर्दे की ओट में होने वाले दुष्कृत्यों, अत्याचारों व अन्याय का जनहित में पर्दाफाश करना, समाज व मानवता के गुनाहगार चेहरों पर पड़े नकाब नोचकर जनता के सामने लाना, निजी स्वार्थों की पूर्ति के लिए धार्मिकता एवं राजनीति की आड़ लेने वालों के राज पर्दाफाश करना, समाज में स्वस्थ मानक स्थापित करना, लोक चेतना जागृत करना इत्यादि शामिल हैं। प्रेस की भूमिका पर टिप्पणी करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था, ''प्रेस का प्रथम उद्देश्य जनता की इच्छाओं व विचारों को समझना और उन्हें सही ढ़ंग से व्यक्त करना है जबकि दूसरा उद्देश्य जनता में वांछनीय भावनाओं को जागृत करना और तीसरा उद्देश्य सार्वजनिक दोषों को निर्भयतापूर्वक प्रकट करना है।''

लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका के बारे में पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने कहा था कि प्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं की रक्षा करने और शांति व भाईचारा बढ़ाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय अखण्डता के संदर्भ में पत्रकारिता की भूमिका की बात करें तो लोकतंत्र के अन्य स्तंभों के मुकाबले प्रेस की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा के जो तीन प्रमुख कारण माने गए हैं, वे हैं जागरूक मतदाता, स्वतंत्र न्यायपालिका व स्वतंत्र प्रेस। भारत में प्रेस को जनता की एक ऐसी 'संसद' की उपाधि दी गई है, जिसका कभी सत्रावसान नहीं होता और जो सदैव जनता के लिए ही कार्य करती है। इसे समाज में परिवर्तन लाने का अथवा उसे जागृत करने के लिए जन संचार का सशक्त माध्यम माना गया है। प्रेस को समाज की चिंतन प्रक्रिया का एक ऐसा अनिवार्य तत्व माना गया है, जो उसे दिशा व गति देने में सक्षम हो। इसे जनता की ऐसी आंख माना गया है, जो सभी पर अपनी पैनी और निष्पक्ष दृष्टि रखे। प्रेस को जनता की उंगली माना गया है, जो गलत कार्यों के विरोध में स्वतः ही उठ जाती है। प्रेस को समाज के प्रति पूर्ण समर्पण के रूप में देखा जाता है। इसे केवल एक पेशा न मानकर जनसेवा का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है।

वर्तमान में जहां देशभर में नैतिक मूल्यों में बड़ी गिरावट आई है और राजनीतिज्ञों, विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायिक व्यवस्था पर से लोगों का विश्वास कम हो रहा है, वहीं हिन्दी पत्रकारिता भी इस नैतिक पतन का शिकार होने से नहीं बची है। फिर भी इतना संतोष तो किया ही जा सकता है कि इसने इसके बावजूद अधिकांश अवसरों पर सराहनीय भूमिका निभाई है। हालांकि आज के पूर्ण व्यावसायिकता के दौर में पत्रकारिता को अव्यावसायिक बनाए रखने की बात करना बेमानी होगा क्योंकि इस पेशे से जुड़े लोगों को भी अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए इसे एक व्यवसाय के रूप में अपनाना अनिवार्य होता गया है लेकिन व्यावसायिकता के इस दौर में भी इसे एक उद्योग-धंधे के रूप में स्थापित करने के प्रयासों के चलते पत्रकारिता के मानदंडों को ताक पर रखने की प्रवृति से तो हर हाल में बचना ही चाहिए।(लेखक 36 वर्षों से हिन्दी पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक-भारत की रक्षा क्रांति', 'प्रदूषण मुक्त सांसें' सहित कई चर्चित पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्वस्थ बस्तर अभियान ने बचाई सोमलू की जिंदगी, डोडी तुमनार में स्वास्थ्य शिविर के दौरान हुई थी पहचान, 17 दिन के इलाज के बाद स्वस्थ होकर घर लौटा बालक

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। कभी पूरा शरीर सूजन से भरा हुआ था, सांस लेना तक मुश्किल हो गया था और जीवन संकट में नजर आ रहा था। लेकिन समय पर हुई पहचान और चिकित्सकों के अथक प्रयासों ने 10 वर्षीय सोमलू मोड़ियम को नया जीवन दे दिया। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत डोडी तुमनार (कुयेम गुमपुर) में आयोजित स्वास्थ्य शिविर की बदौलत यह संभव हो सका। जिले के दुर्गम और पहुंचविहीन क्षेत्र डोडी तुमनार में 15 मई को आयोजित विशेष स्वास्थ्य शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों की जांच की। इसी दौरान 10 वर्षीय सोमलू मोड़ियम की गंभीर स्थिति सामने आई। जांच में पता चला कि वह नेफ्रोटिक सिंड्रोम, मलेरिया और मिर्गी जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित है। पूरे शरीर में सूजन, पेट में अत्यधिक पानी भर जाने और सांस लेने में कठिनाई के कारण उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी।सीएमएचओ डॉ. बी.आर. पुजारी ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एंबुलेंस से उसे जिला चिकित्सालय बीजापुर भेजा। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने पाया कि पेट में जमा पानी फेफड़ों पर दबाव बना रहा है और बच्चा गंभीर अवस्था में है। उसे तत्काल आईसीयू में भर्ती कर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया।सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर के मार्गदर्शन में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा चव्हाण के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने उपचार शुरू किया। 17 दिनों तक लगातार निगरानी, दवाइयों और विशेष चिकित्सा देखभाल के बाद सोमलू की स्थिति में आश्चर्यजनक सुधार हुआ। उसके शरीर की सूजन पूरी तरह खत्म हो गई, पेट में भरा पानी सूख गया और सांस लेने की समस्या भी दूर हो गई। सबसे बड़ी बात यह रही कि अस्पताल में भर्ती के समय 50 किलोग्राम वजन वाला सोमलू उपचार के बाद 28 किलोग्राम वजन के साथ स्वस्थ होकर घर लौटा। चिकित्सकों ने उसके शरीर से लगभग 22 किलोग्राम अतिरिक्त द्रव और सूजन को सफलतापूर्वक कम किया। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की यह सफलता दर्शाती है कि यदि स्वास्थ्य सेवाएं दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचें तो गंभीर से गंभीर मरीजों को भी समय पर उपचार मिल सकता है। सोमलू के परिजनों ने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिली चिकित्सा सहायता ने उनके बच्चे को नया जीवन दिया है।कलेक्टर विश्वदीप तथा जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान अब दूर-दराज के ग्रामीणों के लिए भरोसे और उम्मीद का प्रतीक बनता जा रहा है।

17 दिन की जंग, मिली जिंदगी की जीत

गंभीर बीमारी से जूझ रहे 10 वर्षीय सोमलू को जिला अस्पताल में भर्ती कर आईसीयू में उपचार शुरू किया गया। नेफ्रोटिक सिंड्रोम, मलेरिया और मिर्गी जैसी बीमारियों के बीच डॉक्टरों की टीम ने लगातार 17 दिनों तक निगरानी रखी। उपचार के बाद उसके शरीर से लगभग 22 किलो अतिरिक्त द्रव और

विज्ञान, संस्कृति और प्रकृति से रूबरू हुए छात्र-छात्राएं, जिला प्रशासन के सहयोग से कराए गए शैक्षणिक भ्रमण ने बढ़ाया ज्ञान का दायरा

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। ग्रामीण अंचलों के छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन बीजापुर एवं दंतेवाड़ा के संयुक्त प्रयास से एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करने का अवसर मिला। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने दंतेवाड़ा साइंस सेंटर का अवलोकन किया, जहां विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित विभिन्न मॉडल और प्रदर्शनियों ने उनका ध्यान आकर्षित किया। अंतरिक्ष विज्ञान, रोबोटिक्स, मानव विकास तथा वैज्ञानिक सिद्धांतों से जुड़े प्रदर्शनों को विद्यार्थियों ने उत्सुकता के साथ देखा और समझा। कई विद्यार्थियों के लिए यह पहला अवसर था, जब उन्होंने विज्ञान को इतने रोचक और व्यवहारिक स्वरूप में करीब से जाना।इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने माँ दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और बस्तर की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त की। वहीं वन मंदिर के भ्रमण के दौरान उन्हें प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता तथा पर्यावरणीय संतुलन के महत्व से अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों को भी समझा। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह भ्रमण केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सीखने और नई संभावनाओं को समझने का अवसर साबित हुआ। बच्चों ने विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण से संबंधित अनेक नई जानकारियां अर्जित कीं, जिससे उनके ज्ञान और दृष्टिकोण का विस्तार हुआ। जिला प्रशासन के अनुसार इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने, जिज्ञासा को बढ़ावा देने तथा व्यावहारिक ज्ञान उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के सर्वांगीण विकास और उज्ज्वल भविष्य निर्माण में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

जर्जर स्कूल भवन में पढ़ने को मजबूर छात्र पहली से 12वीं तक की कक्षाएं एक ही भवन में संचालित

रायगढ़/मूक पत्रिका

लैलूंगा के ग्राम पंचायत गंजपुर, तहसील लैलूंगा के ग्रामीणों ने गांव के शासकीय विद्यालय भवन की बदहाल स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है,ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों पुराना विद्यालय भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है, इसके बावजूद कक्षा पहली से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों की पढ़ाई उसी भवन में कराई जा रही है,ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय भवन की दीवारों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ चुकी हैं,और भवन की हालत दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही हैं, ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है, बावजूद इसके छोटे बच्चों से लेकर वरिष्ठ कक्षाओं के छात्र-छात्राएं उसी भवन में शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं।ग्रामीणों ने बताया कि एक ही भवन में पहली से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित होने से विद्यार्थियों को उचित शैक्षणिक वातावरण नहीं मिल पा रहा है, वहीं जर्जर भवन में पढ़ाई होने से बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों के मन में हमेशा दुर्घटना का भय बना रहता है,इसका प्रतिकूल प्रभाव विद्यार्थियों की पढ़ाई और उनके भविष्य पर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नए विद्यालय भवन निर्माण की मांग को लेकर कई बार प्रशासन और संबंधित विभाग को आवेदन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए,तत्काल नए विद्यालय भवन की स्वीकृति प्रदान की जाए, और निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए और कोई अप्रिय घटना घटित होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

ग्रामीण विकास के नाम पर ग्राम पंचायत तारापुर मे बड़ा फर्जीवाड़ा

स्वीकृत फंड का दुरुपयोग, वह जनपद के कर्मचारियों की मिली भगत से हुआ बड़ा फर्जीवाड़ा

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में विकास कार्यों के नाम पर किस कदर लापरवाही और भ्रष्टाचार का खेल चरम पर है इसका एक जीता जागता उदाहरण रायगढ़ जिले के जनपद पंचायत रायगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तारापुर का है यहां सरकारी कागजों में जिस डबरी की स्वीकृति खसरा नंबर 594 पर की गई थी इसका निर्माण लापरवाही की सारी हदें पार करते हुए निजी स्वामियों की भूमि खसरा नंबर 485/1 और 485/2 पर डबरी निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया जब ग्रामीणों और पीड़ित भूमि स्वामियों को पता चलने पर शिकायत की तो पंचायत स्तर पर हड़कंप मच गया जब हमने इस मामले में सरपंच से बात की तो उनका गैर जिम्मेदाराना रवैया से मैं अभी ग्राम सभा में हूं बाद में आपसे बात करता हूं इतना कह कर पल्ला झाड़ने की कोशिश इस पूरे मामले में एक बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है ।

अतिरिक्त तहसीलदार के निर्देश पर हुआ ध्यान नहीं दिया जांच में हुआ बड़ा खुलासा- पीड़ित आवेदक रोहित कुमार पटेल/ पिता युधिष्ठिर पटेल की शिकायत पर अतिरिक्त तहसीलदार रायगढ़ के आदेशानुसार राजस्व हमला स्थल जांच के लिए ग्राम तारापुर पहुंचा जांच के दौरान जो पंचनामा तैयार किया गया उसने पंचायत के कार्य प्रणाली पर पूरी तरह पोल खोल कर रख दी मौके पर पाया गया कि रोहित कुमार पटेल की भू स्वामी हक की जमीन खसरा नंबर 485/1 के 0.034 हेक्टेयर हिस्से पर और तेजराम पटेल की जमीन खसरा नंबर 485/2 पर बिना किसी अनुमति के धड़ल्ले से डबरी निर्माण का कार्य कराया जा रहा है विडंबना की बात यह है ग्राम कोटवार द्वारा मौखिक सूचना दिए जाने के बावजूद भी तारापुर के सरपंच मौके पर उपस्थित नहीं हुए जिनसे सरपंच की भूमिका पर और संदेह बढ़ गया वही मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने यह भी गवाही दी कि उक्त विवादित भूमि लगभग पिछले 56 वर्षों से मनीराम सिदार और उसके परिवार का कब्जा है।

सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक एवं जिम्मेदार दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही कब?- यह मामला सिर्फ एक डबरी निर्माण मे गड़बड़ी का नहीं है बल्कि यह ग्रामीण विकास के नाम पर आने वाले फंड का दुरुपयोग और प्रशासनिक लापरवाही का एक गंभीर मामला है बिना दस्तावेजों की जांच किए काम शुरू करवा देना और राशि आहरित कर लेना बिना उच्च अधिकारियों और सरपंच सचिव व रोजगार सहायक कि साठगांठ के मुमकिन नहीं है स्थानीय ग्रामीण और पीड़ितों ने अब इस मामले में निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग की है बहरहाल अब आगे यह देखना होगा कि जिला प्रशासन किस मामले में दोषी सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक व संबंधित तकनीकी अधिकारियों पर क्या दंडात्मक कार्यवाही करते हैं

रष्टाचार उजागर होने के डर से प्रथम अपील के बाद भी आवेदक को नहीं दी जा रही है जानकारी

खरसिया /मूक पत्रिका

मामला खरसिया जनपद के अंतर्गत आने वाला ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा का है आवेदक हितेश्वर पटेल के द्वारा ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा मैं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत किए गए वर्ष 2020-21 से वर्तमान तक मनरेगा भुगतान संबंधी जानकारी के लिए 23 3.2026 को सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के माध्यम से जानकारी चाहिए गई थी लेकिन 30 दिन की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी जन सूचना अधिकारी के द्वारा आवेदक को किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी गई फिर आवेदक के द्वारा 6 5.2026 को प्रथम अपीलिय अधिकारी के पास प्रथम अपील किया गया फिर प्रथम अपीलिय अधिकारी के द्वारा आवेदक को नोटिस के माध्यम से 29. 5. 2026 को सुनवाई तिथि नियत की गई आवेदक नियत तिथि व समय में जनपद पंचायत खरसिया में प्रथम अपिलीय अधिकारी के समक्ष उपस्थित हुआ लेकिन विडंबना यह है कि सुनवाई तिथि के दिन व दिए गए समय के अनुसार जन सूचना अधिकारी उपस्थित नहीं थे लेकिन प्रथम अपीलिय अधिकारी के द्वारा जन सूचना अधिकारी को फिर एक मौका दिया गया जन सूचना अधिकारी हेमचरण डंगसेना को उपरोक्त जानकारी आवेदक को चार दिवस के भीतर नियमानुसार उपलब्ध कराने के लिए आदेशित किया गया विडंबना यह है की सुनवाई दिनांक से आदेशानुसार चार दिवस के भीतर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रथम अपील अधिकारी के द्वारा कहा गया था व आदेशित किया गया था लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी अपिलार्थी को आज दिनांक तक जन सूचना अधिकारी के द्वारा किसी प्रकार की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई

लोधी समाज के मेधावी विद्यार्थियों का होगा प्रतिभा सम्मान, 7 जून को बेमेतरा में जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह

- सहकारिता कमिश्नर महादेव काँवरे (आई ए एस) होंगे शामिल

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शिक्षा, प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लोधी क्षत्रिय एम्पलाइज एंड इंटेलेक्चुअल्स एसोसिएशन (लक्ष्य) की जिला इकाई बेमेतरा द्वारा 7 जून 2026, रविवार को समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा में चतुर्थ जिला स्तरीय ÷लक्ष्य प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर गाइडेंस समारोह÷ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिले भर से लोधी समाज के छात्र-छात्राएं, अभिभावक, समाज के वरिष्ठजन एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित नागरिक शामिल होंगे। जिला इकाई अध्यक्ष डॉ. अवधेश पटेल ने बताया कि लक्ष्य संगठन पिछले कई वर्षों से शिक्षा एवं सामाजिक विकास के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार एवं व्यक्तित्व विकास के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना है।कार्यक्रम में वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही जवाहर नवोदय विद्यालय, नीट, जेईई, एनएमएमएसई, प्रयास आवासीय विद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित परीक्षाओं में चयनित प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। समाज के गौरव व्यक्तियों, नव नियुक्त एवं सेवानिवृत्त शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले प्रतिभावान युवाओं का भी सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे स्वागत के साथ होगा। इसके पश्चात कैरियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश एवं देश के प्रतिष्ठित अधिकारी एवं विशेषज्ञ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। प्रमुख वक्ताओं में आईएएस अधिकारी एवं सहकारिता आयुक्त रायपुर श्री महादेव कावरे, अपर कलेक्टर कांकेर श्री अरुण वर्मा, उद्योगपति एवं भव्य सृष्टि उद्योग के संस्थापक श्री गणेश वर्मा तथा आईआईटीयन एवं आईसीआईसीआई बैंक मुंबई के चीफ मैनेजर श्री रूपेश वर्मा शामिल हैं। आयोजकों ने समाज के सभी अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं प्रबुद्धजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की है।

*वेदांग रैना के जन्मदिन पर इम्तियाज़ अली और ए.आर. रहमान ने रिलीज़ किया 'मैं वापस आऊंगा' का नया गाना 'इश्क मस्ताना'।

जित मुंबई/मूक पत्रिका

इम्तियाज़ अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा प्यार, अपनेपन और बिछड़ने की भावनाओं से भरी एक दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आ रही है। फिल्म की हर नई झलक के साथ दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। क्या कमाल है, मस्कारा और वो नहीं के बाद अब मेकर्स ने फिल्म का नया गाना इश्क मस्ताना रिलीज़ किया है, जो ज़िंदगी, प्यार, दोस्ती और साथ रहने की खुशी का जश्न मनाता है। इश्क मस्ताना सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि उस पंजाब की झलक दिखाता है जो गाता है, नाचता है और हर हाल में ज़िंदगी को खुलकर जीता है। यह गाना अपने लोगों के बीच रहने की खुशी, भरे-पूरे घरों, कॉलेज की चहल-पहल, दोस्तों के साथ हंसी-मज़ाक और यादगार पलों को खूबसूरती से दिखाता है। कीनू (वेदांग रैना) के परिवार की ग्रेवाल महिलाओं के लिए एक साधारण दोपहर खुशियों के उत्सव में बदल जाती है, वहीं उसके कॉलेज के दोस्तों के लिए यह गाना खुलकर गाने, नाचने और यादें बनाने का मौका बन जाता है। विभाजन से पहले के दौर में सेट यह गाना उस समय की झलक दिखाता है, जब हर मिलना-जुलना किसी त्योहार जैसा लगता था। गाने में पंजाबी लोक संगीत के साथ जैज़ और स्विंग का भी खूबसूरत मेल सुनने को मिलता है, जो कभी अखंड भारत के संगीत का हिस्सा हुआ करते थे। इश्क मस्ताना उस दौर को एक प्यारी श्रद्धांजलि है, जहां लोग खुलकर हंसते थे और संगीत पर थिरकना कभी नहीं छोड़ते थे।इस गाने की एक और खास बात इसकी मुख्य पंक्ति ÷हमन है इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या÷ है, जो संत कबीर की अमर वाणी से ली गई है। इससे गाने को एक अलग गहराई और खूबसूरती मिलती है।गाने में वेदांग रैना और शरवरी की शानदार केमिस्ट्री और युवा ऊर्जा देखने को मिलती है। वहीं नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ की झलक भी दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ाती है। इश्क मस्ताना को मोहित चौहान, नरगिस और पूजा तिवारी ने अपनी आवाज़ दी है। इसका संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है और बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। यह गाना परंपरा और आधुनिक संगीत का खूबसूरत मेल पेश करता है।वेदांग रैना के जन्मदिन पर रिलीज़ हुआ इश्क मस्ताना उनके फैंस के लिए एक खास तोहफे की तरह है, जिसने इस दिन को और भी यादगार बना दिया है।

ग्राम भीखमपुरा पहुंचे मुख्यमंत्री, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद..

जनचौपाल में मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की बात, विकास कार्यों की दी सौगात

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार को जिले के ग्राम भीखमपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने गौशाला परिसर में आयोजित जनचौपाल में आमजन से सीधा संवाद किया। पारंपरिक खाट पर बैठकर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों तथा स्व-सहायता समूह की सदस्यों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करना तथा योजनाओं के क्रियान्वयन का जमीनी फीडबैक प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि सरकार गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनके समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में आयोजित चौपालों और समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला में 26वां जन चौपाल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, सौर ऊर्जा विस्तार तथा स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और विकास को जनभागीदारी से जोड़ना है।ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत मांगों पर मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने सपेरा समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण, बस्ती क्षेत्र में मंगल भवन निर्माण, गांव की आंतरिक गलियों में सीसी रोड निर्माण तथा चंडी मंदिर के समीप स्थित डबरी तालाब के सौंदर्यीकरण की घोषणा की। साथ ही प्राथमिक शाला का नामकरण पंडित हृदयानंद पाणिग्राही के नाम पर किए जाने की भी घोषणा की। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री का भीषण गर्मी के बीच सीधे गांव पहुंचकर लोगों से संवाद करना उनकी जनसेवा और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

कार्यक्रम में देरी की वजह से बिगड़ी व्यवस्था

पूर्व से तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर के माध्यम से 11:30 में पहुंचने वाले थे मगर हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण वे सड़क मार्ग से 3-4 घंटे देरी से पहुंचे। जिसके चलते कार्यक्रम स्थल में थोड़ी अव्यवस्था दिखाई दी। भीषण गर्मी, पेयजल की कमी और दोपहर में जलपान - भोजन की व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीण, कार्यकर्ता और अधिकारीगण परेशान नजर आए। अगर तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री पहुंचे होते तो सभी समय राहत अपने गंतव्य पहुंच गए होत कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पांडेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, जिला पंचायत सदस्य अभिलाषा नायक एवं सहोदरा सिदार, जनपद पंचायत अध्यक्ष बरमकेला विद्या चौहान, पूर्व विधायक केरा बाई मनहर, जवाहर नायक, जगन्नाथ पाणिग्राही, ज्योति पटेल, खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, प्रभारी पुलिस अधीक्षक निमिषा पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पत्रकार और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बहेरघट रेत खदान क्षेत्र का खनिज विभाग ने किया निरीक्षण,पर्यावरण स्वीकृति की प्रक्रिया जारी, अवैध उत्खनन की शिकायत पर मौके पर पहुंची जांच टीम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम बहेरघट स्थित शिवनाथ नदी के रेत खदान क्षेत्र से संबंधित प्राप्त शिकायतों के मद्देनजर खनिज विभाग बेमेतरा द्वारा स्थल का निरीक्षण कर स्थिति का परीक्षण किया गया। विभागीय अमले ने मौके पर पहुंचकर ग्रामवासियों की उपस्थिति में जांच की तथा क्षेत्र की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि ग्राम बहेरघट स्थित रेत खदान की ई-नीलामी प्रक्रिया के तहत ग्राम परपोड़ा निवासी श्री प्रतीक सिंह राजपूत अधिमानी बोलीदाता घोषित हुए हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के तहत आशय पत्र जारी किया जा चुका है। वर्तमान में खदान क्षेत्र के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रचलन में है। पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात नियमानुसार अनुबंध एवं कार्य अनुमति की आगामी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। खनिज विभाग को प्राप्त शिकायत के आधार पर दिनांक 25 मई 2026 को विभागीय टीम ने बहेरघट रेत खदान क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर किसी भी प्रकार का रेत उत्खनन अथवा परिवहन कार्य संचालित होते नहीं पाया गया। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामवासियों से चर्चा कर उन्हें खनिज नियमों एवं वैधानिक प्रक्रियाओं की जानकारी भी प्रदान की। निरीक्षण के दौरान विभाग ने ग्रामीणों एवं संबंधित पक्षों को निर्देशित किया कि भविष्य में यदि खदान क्षेत्र में किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, अवैध उत्खनन अथवा परिवहन की जानकारी प्राप्त होती है तो तत्काल खनिज विभाग को सूचित करें, ताकि आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति एवं वैधानिक अनुमति प्राप्त होने के बाद ही नियमानुसार खनन कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नेत्राडाइन और एनएचईवी ने भारत के ई-हाईवे नेटवर्क पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई गति देने के लिए किया सहयोग

एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित फ्लीट सुरक्षा एवं परिचालन तकनीक में वैश्विक अग्रणी कंपनी नेत्राडाइन (Netradyne) ने आज घोषणा की कि वह भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग इलेक्ट्रिक वाहन कार्यक्रम (NHEV) के उभरते इलेक्ट्रॉनिक हाईवे नेटवर्क के लिए इंटेलिजेंस और सुरक्षा प्रणाली उपलब्ध कराएगी। इस पहल के तहत एनएचईवी के एकीकृत ई- हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक उन्नत डिजिटल इंटेलिजेंस लेयर जोड़ी जाएगी, जिससे लंबी दूरी की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक सुरक्षित, कनेक्टेड और भरोसेमंद बनाया जा सकेगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नेत्राडाइन के एआई-संचालित समाधान चरणबद्ध तरीके से एनएचईवी समर्थित कॉरिडोर पर संचालित वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक वाहनों में लगाए जाएंगे। इससे फ्लीट की रियल-टाइम निगरानी, संभावित जोखिमों की पूर्व पहचान, ड्राइवर व्यवहार का विश्लेषण और परिचालन मॉनिटरिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह सहयोग पूर्व में किए गए पायलट प्रोजेक्ट्स के अनुभवों पर आधारित है और एक तकनीक-सक्षम हाईवे इकोसिस्टम की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। एनएचईवी देशभर में इलेक्ट्रॉनिक हाईवे विकसित करने के राष्ट्रीय विजन पर कार्य कर रहा है, जिनका उद्देश्य बड़े पैमाने पर कनेक्टेड और विश्वसनीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देना है। वर्ष 2027 तक 26 प्रमुख हाईवे कॉरिडोर पर विस्तार की योजना बनाई गई है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ऊर्जा प्रबंधन, डिजिटल सिस्टम, वित्तीय सहयोग और परिचालन सहायता को एकीकृत करते हुए एनएचईवी भारत के लिए एक व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य लंबी दूरी के ईवी इकोसिस्टम का निर्माण कर रहा है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया edge 70 pro+, जो 2026 का सबसे स्टाइलिश फ्लैगशिप किलर स्मार्टफोन है

मोबाइल टेक्नोलॉजी व इनोवेशन में वैश्विक अग्रणी और भारत के प्रमुख 9 एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज motorola edge 70 pro+ लॉन्च किया, जो 2026 का सबसे स्टाइलिश ऑल-राउंडर फोन है। बिना किसी समझौते के फ्लैगशिप अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया यह स्मार्टफोन, प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी, प्रीमियम व विशिष्ट फिनिश, इमर्सिव एंटरटेनमेंट, नेक्स्ट-जेन moto ai अनुभवों और फ्लैगशिप-लेवल परफॉर्मेंस का एक शानदार संयोजन है। इस डिवाइस में क्वाड 50MP प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसका नेतृत्व कम रोशनी में बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए motoAI से लैस एडवांस सोनी LYTIA 710 कैमरा करता है। इसके साथ ही इसमें 50× एआई सुपर ज़ूम प्रो के साथ 50MP का 3.5× पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा, 50MP का अल्ट्रा-वाइड + मैक्रो विज़न कैमरा और ऑटो फोकस के साथ 50MP का क्वाड पिक्सेल सेल्फी कैमरा शामिल है। एडवांस ऑन-डिवाइस एआई क्षमताओं वाले मीडियाटेक डाइमेंशन 8500 एक्सट्रीम प्रोसेसर से पावर्ड, motorola edge 70 pro+ में पैंटोनङ्ग द्वारा चुने गए रंगों में शानदार सैटिन-लक्स, स्कल्प्टेड वुड और ट्विल इंस्पायर्ड फिनिश के साथ 'कलेक्शंस बाय मोटोरोला' को पेश किया गया है। एक शानदार 144H5 1.5K ट्रू कलर क्वाड-कर्व्ड पैंटोनङ्ग वैलिडेटेड डिस्प्ले, 90W टर्बोपावर™ चार्जिंग और 15W वायरलेस चार्जिंग के साथ आने वाली विशाल 6500mAh सिलिकॉन-कार्बन बैटरी, और IP68 + IP69 मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी के साथ मिलकर यह डिवाइस एक संपूर्ण फ्लैगशिप स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करता है।

किफायती फूड ऐप 'टोइंग' अब रायपुर में उपलब्ध

रायपुरः किफायती फूड डिलीवरी ऐप 'टोइंग' ने आज जालंधर में अपने लॉन्च की घोषणा की। पिछले 7+ महीनों में, टोइंग ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए भारत के 45 शहरों में अपनी मौजूदगी दर्ज की है और यह अपने ऐप पर खाने-पीने की सभी चीजों पर सबसे कम कीमत की गारंटी देता है, जो रेस्टोरेंट के टेबल मेन्यू की कीमत के बराबर या उससे कम होती है। इसके अलावा, टोइंग पर किए गए किसी भी ऑर्डर पर न तो पैकेजिंग चार्ज लिया जाता है और न ही कोई प्लेटफॉर्म फीस। इससे टोइंग बाजार में उपलब्ध सबसे किफायती फूड डिलीवरी ऐप बन जाता है। यूजर्स इस ऐप पर बिरयानी, बर्गर और बाउल जैसे कई तरह के व्यंजन 99 रुपये से कम में ऑर्डर कर सकते हैं। टोइंग, जिसे 2025 की दूसरी छमाही में पहली बार पुणे में लॉन्च किया गया था, अब आगरा, वडोदरा, गुवाहाटी, नासिक, नागपुर, पटना, औरंगाबाद, भोपाल, दिल्ली, मेरठ, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, चंडीगढ़, अहमदाबाद, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, भुवनेश्वर, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, लुधियाना, कोयंबटूर, विशाखापट्टनम, सूरत, मंगलुरू, राजकोट, देहरादून, मुदराई, तिरुपति, गोवा, जम्मू, कोटा, मैसूर, रांची, जालंधर और पटियाला में भी लाइव है।

भादूविप्रा ने सागर और रायगढ़ शहरों में मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता का आकलन किया

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) ने सामान्य दूरसंचार उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए मार्च 2026 के महीने के दौरान मध्य प्रदेश एलएसए के तहत सागर और रायगढ़ शहरों में किए गए इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट (IDT) के निष्कर्ष जारी किए हैं। ड्राइव टेस्ट का उद्देश्य दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) द्वारा प्रदान की जाने वाली मोबाइल नेटवर्क सेवाओं (वॉयस और डेटा दोनों) की वास्तविक समय गुणवत्ता का आकलन और सत्यापन करना है। आईडीटी के दौरान, भादूविप्रा के द्वारा कवरेज, कॉल ड्रॉप रेट (CDR), कॉल सेटअप सक्सेज रेट (CSSR), डाटा डाउनलोड (ष्ठरु) और अपलोड (UL) थ्रूपुट आदि जैसे प्रमुख सेवा गुणवत्ता (QOS) मानदंडों के लिए टीएसपी के निष्पादन को दर्ज किया जाता है और उन्हे उपभोक्ताओं की जानकारी और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं(को अपनी सेवाओं में सुधार करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए प्रकाशित किया जाता है।

2. इन आईडीटी को शहरों, हॉटस्पॉट, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों आदि जैसे विविध उपयोग वाले वातावरण में सभी टीएसपी के स्थलीय मोबाइल नेटवर्क निष्पादन को कैप्चर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रकार के ड्राइव टेस्ट में 2G, 3G, 4G और 5G नेटवर्क पर सभी टीएसपी के सिम कार्ड का उपयोग करके लाइव डेटा और वॉयस सैशन स्थापित किए जाते हैं। कई उन्नत टेस्ट हैंडसेट का उपयोग किया जाता है और उन्नत सॉफ्टवेयर सिस्टम का उपयोग करके रीयल टाइम में सैशन की निगरानी और विश्लेषण किया जाता है।

3. भादूविप्रा ने अपनी नियुक्त एजेंसी के माध्यम से मध्य प्रदेश एलएसए में 16 मार्च 2026 से 21 मार्च 2026 के दौरान सागर और रायगढ़ शहर में सिटी ड्राइव-455.1 किमी, हॉटस्पॉट स्थानों-16, वॉक टेस्ट-9.7 किलोमीटर ड्राइव टेस्ट किए। ये टेस्ट भादूविप्रा के क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल की देखरेख में आयोजित किए गए थे।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय में समर कैंप का भव्य शुभारंभ, बच्चों में दिखा सीखने का उत्साह

मूक पत्रिका/बरमकेला। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक प्रतिभाओं के संवर्धन तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश को सीखने और नवाचार का अवसर बनाने के उद्देश्य से पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजेस) सरसीवा में समर कैंप-2026 का शुभारंभ 03 जून को उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अतिथियों के बीच विशेष उत्साह देखने को मिला।

उद्घाटन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य भरत लाल कुर्रे, प्रधान पाठक मीना जांगड़े, व्याख्याता उमेश कुमार जांगड़े, आर. के. भोई सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने विद्यार्थियों को समर कैंप के महत्व से अवगत कराते हुए इसे अपने व्यक्तित्व और कौशल विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

प्राचार्य भरत लाल कुर्रे ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल पुस्तक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास का विकास भी आवश्यक है। पीएम श्री विद्यालयों में समर कैंप इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर आयोजित किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थी अपनी रुचि के क्षेत्रों में नई-नई विधाएं सीख सकें और अपनी छिपी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखार सकें।

समर कैंप के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इनमें नृत्य, संगीत, नाटक, चित्रकला, कला एवं शिल्प, टेराकोटा (मिट्टी कला), बांस शिल्प, ज्वेलरी मेकिंग, सेल्फी जोन निर्माण, मॉडलिंग एवं ब्यूटी पार्लर कोर्स, फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी, कम्युनिकेशन स्किल विकास, टॉय मेकिंग, वेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, व्यक्तित्व विकास एवं अन्य कौशल आधारित प्रशिक्षण शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि व्यवहारिक ज्ञान और जीवनोपयोगी कौशल भी प्राप्त होंगे।

विद्यालय प्रबंधन के अनुसार समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों में सीखने की क्षमता का विकास करना, शारीरिक एवं मानसिक दक्षता बढ़ाना, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति रुचि विकसित करना, सामाजिक सहभागिता की भावना पैदा करना तथा नवाचार और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना है। साथ ही विद्यार्थियों को टीम वर्क, नेतृत्व और समस्या समाधान जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशलों से भी परिचित कराया जाएगा।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सारंगढ़ के प्रसिद्ध गायक एवं मोर सारंगढ़ महान गीत से ख्याति प्राप्त रसायन विषय के व्याख्याता विद्या शंकर जायसवाल रहे। उन्होंने अपने गिटार की मधुर धुनों से कार्यक्रम में एक अलग ही ऊर्जा का संचार कर दिया। उनकी प्रस्तुति ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने बच्चों को संगीत की विभिन्न विधाओं, गिटार वादन की तकनीकों तथा संगीत के मूल सिद्धांतों की जानकारी दी। साथ ही संगीत के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों और उसके सकारात्मक प्रभावों पर भी प्रकाश डाला।

विद्या शंकर जायसवाल ने बच्चों को बताया कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि व्यक्तित्व विकास, मानसिक एकाग्रता और भावनात्मक संतुलन का भी महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास और अनुशासन के साथ अपनी रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बच्चों ने भी गिटार की धुनों के साथ गीत गाए और संगीत की बारीकियों को सीखने में विशेष रुचि दिखाई। विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

समर कैंप के पहले दिन विद्यालय का वातावरण पूरी तरह उत्सवमय नजर आया। कहीं बच्चे चित्रकारी कर रहे थे, तो कहीं संगीत और कला की गतिविधियों में भाग ले रहे थे। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपने-अपने रुचि क्षेत्रों के अनुसार गतिविधियों का चयन कर उनमें सहभागिता दिखाई। शिक्षकों द्वारा भी बच्चों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिससे वे गतिविधियों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि आगामी दिनों में भी समर कैंप के अंतर्गत अनेक रोचक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें स्थानीय कलाकारों, विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षकों का सहयोग लिया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को विद्यालयी शिक्षा के साथ-साथ व्यवहारिक अनुभव प्राप्त होगा और उनके अंदर आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता का विकास होगा।

समर कैंप के प्रथम दिवस पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह, उमंग, रचनात्मकता और सकारात्मक ऊर्जा की अद्भुत झलक देखने को मिली। बच्चों के चेहरे नई चीजें सीखने की खुशी से खिल उठे थे। शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अतिथियों की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम का शुभारंभ अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रहा। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि यह समर कैंप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, व्यक्तित्व निर्माण और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

सुशासन तिहार भाजपा कि नाकामी छुपाने का मंच,बुनियादी सुविधाओं के लिए भटक रही जनता, धरातल पर चरमराई प्रशासनिक व्यवस्था- रेखचंद जैन.पूर्व विधायक

पंचायतों में 16वें वित्त की राशि का नहीं हुआ आज पर्यंत तक भुगतान,ग्रामीण क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्य प्रभावित,सरपंच जनपद सदस्य दे रहे इस्तीफा ....

पंचायतों से हो रही सुशासन तिहार के लिए वसूली,राजस्व सहित हर विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर, भाजपा सरकार सिर्फआयोजनों व विज्ञापनों में पीट रही सुशासन का ढोल

मूक पत्रिका/जगदलपुर। जगदलपुर विधानसभा के पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा मनाए जा रहे 'सुशासन तिहार' पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत को छुपाने और अपनी नाकामियों पर पर्दा डालने के लिए भाजपा सरकार इस तरह के तड़क-भड़क वाले आयोजनों का सहारा ले रही है। आज धरातल पर प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और आम जनता पानी, बिजली, सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने सीधे तौर पर सरकार की वित्तीय नीतियों को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि ग्रामीण विकास की रीढ़ माने जाने वाली पंचायतों को 16वें

वित्त आयोग की राशि आज पर्यंत तक जारी नहीं की गई है ।राशि के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण और विकास कार्य पूरी तरह से प्रभावित हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि बुनियादी काम न करा पाने के कारण जनता के प्रति जवाबदेह सरपंच और जनपद सदस्य भारी मानसिक दबाव में हैं और लगातार अपने पदों से इस्तीफे दे रहे हैं।

पूर्व विधायक रेखचंद जैन ने एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ तो पंचायतों के पास विकास कार्यों के लिए फूटी कौड़ी नहीं है,वहीं दूसरी तरफतथाकथित'सुशासन तिहार' के भव्य आयोजनों का खर्च निकालने के लिए पंचायतों से जबरन वसूली की जा रही है ।यह सुशासन नहीं बल्कि शासकीय तंत्र का घोर दुरुपयोग और भाजपा के कुशासन का जीता-जागता उदाहरण है

सरकार को घेरते हुए पूर्व विधायक ने आगे कहा कि आज राजस्व विभाग से लेकर हर छोटे-बड़े सरकारी महकमे में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। बिना लेन-देन के आम जनता का कोई भी काम नहीं हो रहा है। नामांतरण,बंटवारा और सीमांकन जैसे नियमित कार्यों के लिए भी गरीब ग्रामीणों को महीनों चक्कर काटने पड़ रहे हैं ।भाजपा सरकार केवल विज्ञापनों और आयोजनों में सुशासन का ढोल पीट रही है,जबकि हकीकत यह है कि जनता बुनियादी सुविधाओं के अभाव में त्रस्त है और अधिकारी-कर्मचारी बेलगाम हो चुके हैं। कांग्रेस पार्टी सरकार को सख्त चेतावनी देती कि यदि जल्द ही 16वें वित्त की राशि जारी नहीं की गई और पंचायतों में विकास कार्य बहाल नहीं हुए,तो आगामी दिनों में जनता के हक के लिए सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी।

आस्था से खिलवाड़ या विकास राशि की खुली लूट?

पांच लाख की लागत से बना गंगादेई माता मंदिर पांच साल में जर्जर, गुणवत्ताहीन निर्माण और ठेका प्रथा पर उठे गंभीर सवाल

मूक पत्रिका/बकावंड। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों और धार्मिक स्थलों के निर्माण के लिए लाखों रुपये की राशि स्वीकृत की जाती है, ताकि आम जनता को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और आस्था के केंद्रों का संरक्षण हो सके। लेकिन जब लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्य कुछ ही वर्षों में बदहाल नजर आने लगें, तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठता है कि आखिर सरकारी राशि का उपयोग किस प्रकार किया गया।

ऐसा ही मामला बकावंड जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मटनार से सामने आया है, जहां गंगादेई माता मंदिर के निर्माण को लेकर ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगभग पांच लाख रुपये की लागत से निर्मित मंदिर महज पांच वर्षों के भीतर ही जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। स्थिति यह है कि मंदिर परिसर में कहीं भी निर्माण कार्य की स्वीकृति संबंधी सूचना पट्ट या लागत विवरण बोर्ड तक नहीं लगाया गया है, जिससे पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं।

गुणवत्ता और निगरानी पर उठे गंभीर सवाल: छिंदगांव में पूर्व माध्यमिक शाला भवन निर्माण पर ग्रामीणों ने जताई चिंता

करोड़ों की विकास योजनाओं के बीच स्कूल भवन की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न, ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

गुणवत्ता पर सवाल, जिम्मेदारों पर उठी उंगली- ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर सहित पंचायत क्षेत्र में निर्मित कई सीसी सड़कें, पुलिया और अन्य निर्माण कार्य समय से पहले ही क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। दीवारों में दरारें, उखड़ता प्लास्टर और कमजोर निर्माण सामग्री यह संकेत देती है कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों की अनदेखी की गई है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार किया गया होता, तो इतनी कम अवधि में भवनों और मंदिरों की ऐसी स्थिति नहीं होती। इससे निर्माण एजेंसियों और निगरानी व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ठेका प्रथा और कथित मिलीभगत पर चर्चा- क्षेत्र में यह भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि पंचायतों में कई निर्माण कार्य स्थानीय बेरोजगारों और श्रमिकों को अवसर देने के बजाय कुछ सीमित लोगों के माध्यम से कराए जाते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और पंचायत स्तर के जिम्मेदारों के हाथों में ही अधिकांश निर्माण कार्यों की कमान रहती है, जिससे न केवल रोजगार के अवसर प्रभावित होते हैं बल्कि कार्यों की गुणवत्ता भी सवालों के घेरे में आ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की जाए तथा स्थानीय लोगों को अवसर मिले, तो विकास कार्यों की गुणवत्ता में भी सुधार संभव है।

निरीक्षण और तकनीकी स्वीकृति पर भी सवाल- निर्माण कार्यों के दौरान तकनीकी स्वीकृति, माप पुस्तिका, गुणवत्ता परीक्षण और भुगतान की प्रक्रिया निर्धारित होती है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि यदि सभी प्रक्रियाएं पूरी की गई थीं, तो फिर निर्माण कार्य इतनी जल्दी जर्जर कैसे हो गए?

क्या संबंधित अधिकारियों ने समय-समय पर स्थल निरीक्षण किया था? क्या उपयंत्री और तकनीकी अधिकारियों ने गुणवत्ता की जांच की थी? यदि जांच हुई थी, तो फिर आज निर्माण कार्यों की स्थिति ऐसी क्यों है? ये ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब ग्रामीण जानना चाहते हैं।

आस्था के केंद्रों से जुड़ा जनविश्वास- गंगादेई माता मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि क्षेत्र के लोगों की आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। ऐसे धार्मिक स्थलों के निर्माण में यदि अनियमितता या गुणवत्ताहीन कार्य की शिकायतें सामने आती हैं, तो यह केवल सरकारी धन की बर्बादी का मामला नहीं रह जाता, बल्कि लोगों की धार्मिक भावनाओं से भी जुड़ जाता है।

ग्रामीणों का मानना है कि आस्था के केंद्रों के निर्माण में उच्च गुणवत्ता और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित होना चाहिए, ताकि जनता का विश्वास बना रहे।

उच्च स्तरीय जांच की मांग- मामले को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि पंचायत क्षेत्र में हुए ऐसे सभी निर्माण कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए। साथ ही दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

ग्रामीणों ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, भुगतान प्रक्रिया और तकनीकी स्वीकृतियों की भी जांच कर जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है।

यह मामला केवल एक मंदिर या एक निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। यदि जनता के टैक्स के पैसे से बने निर्माण कार्य कुछ ही वर्षों में बदहाल हो जाएं, तो इसकी निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होना आवश्यक है। जनहित से जुड़े ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाना लोकतंत्र और जवाबदेह शासन व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। इसी उद्देश्य के साथ यह विषय जनचर्चा और जनजागरूकता के लिए सामने लाया गया है, ताकि भविष्य में विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

जनचौपाल में मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की बात, विकास कार्यों की दी सौगात

- सुशासन तिहार के तहत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम भीखमपुरा पहुंचे मुख्यमंत्री, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद
- ग्रामीणों, महिलाओं और जनप्रतिनिधियों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश
- सामुदायिक भवन, मंगल भवन, सीसी रोड और तालाब सौंदर्यीकरण सहित कई विकास कार्यों की घोषणा

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़ - सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बीते गुरुवार को जिले के ग्राम भीखमपुरा पहुंचे, जहां उन्होंने गौशाला परिसर में आयोजित जनचौपाल में आमजन से सीधा संवाद किया। पारंपरिक खाट पर बैठकर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों तथा स्व-सहायता समूह की सदस्यों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करना तथा योजनाओं के क्रियान्वयन का जमीनी फीडबैक प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि सरकार गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनके समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में आयोजित चौपालों और समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। आज सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला में 26वां जन चौपाल है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, सौर ऊर्जा विस्तार तथा स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना और विकास को जनभागीदारी से जोड़ना है।

ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत मांगों पर मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने सपेरा समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन निर्माण, बस्ती क्षेत्र में मंगल भवन निर्माण, गांव की आंतरिक गलियों में सीसी रोड निर्माण तथा चंडी मंदिर के समीप स्थित डबरी तालाब के सौंदर्यीकरण की घोषणा की। साथ ही प्राथमिक शाला का नामकरण पंडित हृदयानंद पाणिग्राही के नाम पर किए जाने की भी घोषणा की।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री का भीषण गर्मी के बीच सीधे गांव पहुंचकर लोगों से संवाद करना उनकी जनसेवा और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिल रही है और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पांडेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती अभिलाषा नायक एवं श्रीमती सहोदरा सिदार, जनपद पंचायत अध्यक्ष बरमकेला श्रीमती विद्या चौहान, पूर्व विधायक श्रीमती केरा बाई मनहर, जवाहर नायक, जगन्नाथ पाणिग्राही, ज्योति पटेल, खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव रजत बंसल, कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू, प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बपौती संपत्ति समझकर नौघटा कोटवार सागर महंत और उसके रिश्तेदारों ने बेची कोटवारी भूमि, सरिया तहसील में अवैध खरीद-फरोख्त की चर्चाएं तेज (पार्ट-03)

सरिया तहसील के ग्राम कटंगपाली और बोंदा कोटवार की तरह होगी कठोर कार्यवाही....?

कोटवारी जमीन में बड़ा खेला
धड़ल्ले से जमीन बेचते रहे कोटवार!

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़:- सरिया तहसील क्षेत्र में कोटवारी भूमि को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पार्ट-01 में उठे सवालों के बाद अब नौघटा गांव का मामला सामने आने से पूरे क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। स्थानीय स्तर पर कोटवारी भूमि पर कथित कब्जे, निर्माण और अवैध लेन-देन को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार नौघटा गांव के कोटवार सागर महंत पर आरोप है कि उन्होंने अपनी कोटवारी भूमि को गांव के मोहित डनसेना, फूलचंद डनसेना सहित अन्य लोगों को टुकड़ों में मौखिक रूप से बेच दिया है। बताया जा रहा है कि इस भूमि पर वर्तमान में मकान और बाड़ी निर्माण का कार्य भी चल रहा है। यदि यह भूमि कोटवारी श्रेणी की है, तो उसमें निजी लेन-देन और निर्माण कैसे हुआ,यह बड़ा सवाल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि शासकीय व्यवस्था से जुड़ी भूमि पर यदि इस तरह का कथित लेन-देन हुआ है तो इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है ताकि पूरी स्थिति स्पष्ट हो सके।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, नौघटा कोटवार सागर महंत जो पिछले लगभग 20ङ्क25 वर्षों से कोटवारी कार्य कर रहे हैं और उन्हें राजस्व विभाग द्वारा जीवन-यापन के लिए लगभग 10ङ्क15 एकड़ कोटवारी कार्य हेतु शासकीय सेवा भूमि सह पूर्ति भूमि प्रदान की गई थी लेकिन आरोप है कि उन्होंने इस भूमि को अपनी बपौती संपत्ति मानकर अपने सगे संबंधियों के साथ इसका बंटवारा कर लिया है और इनमें से दो से तीन लोगों ने मिलकर मनमर्जी से मौखिक खरीद-फोख्त कर जमीन का आपस में बंटवारा कर लिया। यदि विभाग द्वारा इस भूमि का सत्यापन किया जाता है तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है और पूरी सच्चाई उजागर होने की संभावना जताई जा रही है। इधर राजस्व विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों के बीच चर्चा है कि निगरानी व्यवस्था होने के बावजूद इस तरह के मामलों का सामने आना गंभीर बात है। अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और जांच के बाद क्या तथ्य सामने आते ह ।

बहरहाल इस मामले में एक बात स्पष्ट रूप से आशातीत है कि नौघटा कोटवार सागर महंत ने अपने निजी स्वार्थ साधने हेतू अपने रिश्तेदारों से मिलकर शासन प्रशासन को अंधेरे में रखने का गंभीर और आपराधिक कार्य को अंजाम दिया है जिसका सम्बंधित विभाग द्वारा एक जांच टीम गठित कर उपरोक्त गंभीर मामले की जांच पड़ताल कर रहस्यमई तथ्यों को उजागर करना चाहिए और जांच में पाए गए आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी होगी ताकि इस तरह से भ्रष्टाचार को अंजाम देने वाले कोटवारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी होगी....???

सारंगढ़ कोतवाली की कार्रवाई; सट्टा पट्टी के साथ युवक गिरफ्तार, नगदी और सामग्री जब्त..

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़// सिटी कोतवाली सारंगढ़ पुलिस ने सट्टा कारोबार के खिलाफकार्रवाई करते हुए एक युवक को सट्टा पट्टी लिखते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से सट्टा पट्टी, डाटपेन और 1175 रुपये नगद बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी के निर्देश पर कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार जुआ-सट्टा पर निगरानी रखी जा रही थी। इसी क्रम में मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर तहसील सारंगढ़ के पास दबिश दी गई, जहां एक व्यक्ति कोरे कागज पर सट्टा पट्टी लिखते हुए पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजय साहू, निवासी फुलझरिया पारा सारंगढ़ के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 04 सट्टा पट्टी, 02 डाटपेन और 1175 रुपये नगद जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव सहित पुलिस स्टाफ की अहम भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध जुआ और सट्टा गतिविधियों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

खरीफसीजन में किसान रामप्रसाद और खुरसुराम को समय पर मिला खाद-बीज

मूक पत्रिका/कोंडागांव। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार किसानों को खरीफ सीजन के दौरान समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने के लिए जिले में व्यापक तैयारियां की गई हैं। कृषि विभाग द्वारा आवश्यक कृषि आदानों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जिससे किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। खरीफ फसल की तैयारी कर रहे सोनाबाल समिति में पहुंचे किसान रामप्रसाद सेठिया ने बताया कि उन्हें समय पर खाद और बीज प्राप्त हो गया है। इसी प्रकार सोनाबाल निवासी खुरसु राम कोर्राम ने भी बताया कि उन्हें भी आज निर्धारित मात्रा में खाद समिति के माध्यम से प्राप्त हुई, जिसमें यूरिया, डीएपी और एनपीके शामिल है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग एवं सहकारी समितियों की व्यवस्थाओं के कारण

किसानों को आवश्यक सामग्री आसानी से उपलब्ध हो रही है और वे समय पर खेती किसानी का कार्य कर पाएंगे।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में खाद एवं बीज का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सहकारी समितियों में आवश्यक कृषि सामग्री का वितरण किया जा रहा है। वहीं, बीज निगम कोण्डागांव द्वारा धान की उन्नत एवं प्रमाणित किस्मों के बीजों के साथ-साथ हरी खाद के लिए ढैंचा एवं मूंग बीज का भी पर्याप्त भंडारण किया गया है, ताकि किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज समय पर उपलब्ध हो सके। कृषि विभाग द्वारा किसानों को आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों को इन उर्वरकों के लाभों की जानकारी दी जा रही है तथा इनके प्रयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार नैनो उर्वरकों के उपयोग से कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति में सुधार होता है तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।

सारंगढ़ में अवैध शराब पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

मूक पत्रिका/सारंगढ़-बिलाईगढ़// थाना सिटी कोतवाली सारंगढ़ पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफकार्रवाई करते हुए फुलझरिया पारा क्षेत्र से एक शराब कोचिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से बड़ी मात्रा में देशी शराब जब्त की गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि फुलझरिया पारा स्थित सुभाष चौक के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दबिश दी और आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चंदन यादव पिता स्वर्गीय रविन्द्र यादव, निवासी फुलझरिया पारा सारंगढ़ के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से दो प्लास्टिक थैलों में रखे कुल 56 पाव (लगभग 10 लीटर 80 एमएल) देशी प्लेन

मदिरा बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 4480 रुपये बताई गई है। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया और उसे न्यायालय में पेश किया। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी प्रमोद यादव सहित पुलिस स्टाफ की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर सामाजिक उत्कृष्ट कार्य सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

मूक पत्रिका/रायपुर । घासी-घसिया समाज रायपुर द्वारा पिछले चार वर्षों से निरंतर भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में सामाजिक उत्कृष्ट कार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रायपुर महापौर मीनल चौबे एवं दक्षिण विधानसभा के विधायक सुनील सोनी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा ने की।

इस अवसर पर नगर निगम संस्कृति विभाग के एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी, नगर निगम अनुसूचित जाति विभाग की एमआईसी सदस्य संजना संतोष हियल, उत्कल समाज के गौरव पद्मश्री भारती बंधु, छत्तीसगढ़ घासी-घसिया समाज के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद नायक तथा रायपुर संभाग अध्यक्ष अशोक भारती सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

समारोह में समाज सेवा, कोरोना काल में जनसेवा, स्वास्थ्य शिविर आयोजन, रक्तदान, चिकित्सा, पुलिस सेवा, इंजीनियरिंग, अधिवक्ता, कला एवं संस्कृति, छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री, खेल, मूर्तिकला, कीर्तन मंडली तथा सामाजिक हित में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाज के प्रतिभावान एवं सेवाभावी व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के आयोजक सुमित नायक ने बताया कि समाज के उत्थान और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह सम्मान समारोह लगातार आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमित बेहरा, अमर बेहरा, सावन दीप, हरेश सेन्द्रे, राजा भारती, नवदीप सोनी, मोहन भारती सहित समाज के अनेक सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

समाज के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक बंधुओं के सामूहिक प्रयास और सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह में समाज की एकता, सामाजिक जागरूकता और प्रतिभाओं के सम्मान का संदेश दिया गया।

यह समाचार अखबार या समाचार पोर्टल में प्रकाशित करने योग्य शैली में तैयार किया गया

जन चौपाल भीखमपुरा में मुख्यमंत्री के इंतजार में तपती धूप में जनता बेहाल,अधिकारी और नेता करते रहे नाश्ता,आम आदमी देखते रहे रस्ता...

मूक पत्रिका/सरिया:- प्रदेश के मुख्यमंत्री सुशासन तिहार के दौरान औचक निरीक्षण एवं जन चौपाल कार्यक्रम को लेकर सरिया क्षेत्र के भीखमपुरा गांव में सुबह से ही बड़ी संख्या में ग्रामीण,जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता जुटे रहे। लेकिन कार्यक्रम में लगातार हो रही देरी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। भीषण गर्मी और उमस के बीच घंटों से इंतजार कर रहे ग्रामीणों के लिए न तो पर्याप्त छाया की व्यवस्था दिखाई दी और न ही भोजन-नाश्ते की कोई समुचित सुविधा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जहां एक ओर दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीण सुबह से भूखे-प्यासे मुख्यमंत्री के आगमन की प्रतीक्षा करते रहे,वहीं दूसरी ओर कुछ जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता अपने-अपने स्तर पर नाश्ते का इंतजाम कर कार्यक्रम स्थल पर ही जलपान करते नजर आए। इस दौरान आम जनता केवल उन्हें देखती रही और अपनी बारी का इंतजार करती रही।

ग्रामीणों का कहना है कि जब प्रदेश के मुख्यमंत्री सुशासन तिहार को लेकर जन चौपाल जनता की समस्याएं सुनने के लिए आयोजित की जाती है,तब सबसे पहले जनता की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए, न कि तपती धूप में घंटों बैठे बुजुर्ग,महिलाएं और युवा पसीने से तरबतर होते रहे, लेकिन उनके लिए पर्याप्त पंखे, पेयजल और नाश्ते की व्यवस्था तक नहीं दिखी।

कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा भी होती रही कि यदि वीआईपी कार्यक्रमों में आम नागरिकों की सुविधाओं को नजरअंदाज किया जाएगा,तो सुशासन तिहार के नाम पर जन चौपाल का उद्देश्य ही सवालों के घेरे में आ जाएगा। लोगों ने व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए अलग से इंतजाम होना और आम जनता का भूखे-प्यासे इंतजार करना उचित नहीं है। तपती धूप, लंबा इंतजार और अव्यवस्था के बीच भीखमपुरा की जन चौपाल में जनता के सब्र की परीक्षा होती रही, जबकि जिम्मेदार लोग अपने इंतजाम में व्यस्त नजर आए।

माँ कौशल्या धाम चंदखुरी में आयोजित होगा विशाल पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह

ऑनलाइन मानस मंथन में मुसरा की मंडली प्रथम, प्रदेश भर की 111 मंडलियों ने लिया हिस्सा

मूक पत्रिका/बेमेतरा। विदित हो कि वर्तमान समय में पूरा विश्व नवतपा से तप रहा है लोगो का 47डिग्री तापमान में घर से निकलना मुश्किल हो गया है ऐसे विषम परिस्थिति में लोगों को सनातन एवं संस्कृति से जोड़ने श्री राम चरित मानस एवं राम के आदर्श चरित्रो को जन मन में पहुंचाने दीपक गुहा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रदेश के बहुप्रतिष्ठित संस्था मानस दर्शन जीवन अर्पण छ ग ने परिकल्पना मानस ब्रम्ह गर्भ लांच किया जहां प्रदेश भर के 33 जिला से कुल 111 मंडलियों ने हिस्सा लिया जहां प्रदेश मंच संचालकों ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया संस्था के संयोजक देवलाल सिन्हा ने बताया कि द्वितीय चरण में छ ग के प्रतिष्ठित 25 मंडलियों सामने आये जिन्होंने अपने प्रस्तुति जनमानस को भाव

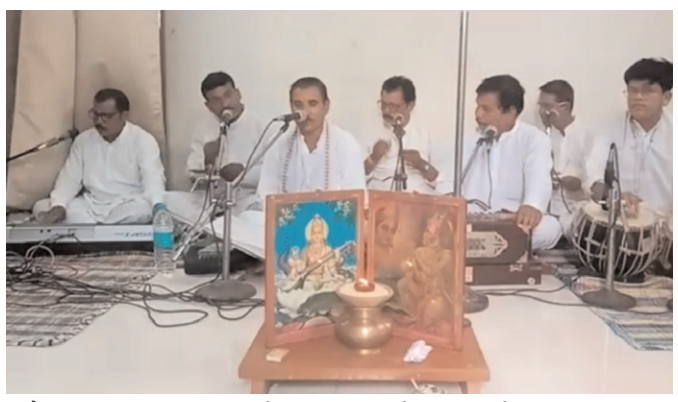

विभोर कर दिया अंतिम दिवस में छ ग के समस्त मानस संघों एवं आनलाइन सैकड़ों भक्तों के उपस्थिति में निर्णायक योगाचार्य श्री गोपाल वर्मा एवं संगीत ऋषि के नाम से प्रसिद्ध श्री आलोक भट्टाचार्य जी भगवता चार्य अंजु शर्मा ने निर्णय पटल में रखा जिसमें

प्रथम सीता राम मानस परिवार मुसरा डोंगरगढ़ द्वितीय स्वरांजली मानस परिवार तुमाकला तृतीय शक्ति संगम मा. परिवार भिंभौरी बेरला-बेमेतरा चतुर्थ ज्ञान गंगा मानस परिवार गनियारी दुर्ग पंचम सुर समृद्धि मानस परिवार बेमेतरा षष्ठम श्रद्धा सुमन बालिका मानस मंडली पचपेड़ी धमतरी सप्तम अदिति हर्षा बालिका मानस परिवार बागबाहरा, अष्टम स्वांतः सुखाय मानस परिवार छुईहा राजिम नवम् जय जगत आजाद मानस मंडली आलेखूंटा को प्रदाय किया गया वही विशेष व्याख्यान में गौरी शंकर मानस मंडली कौसरा विशेष संगीत - जय माँ कारीपाट मानस मंडली सिवनीकला को प्रदान किया गया वही सर्वश्रेष्ठ संचालक युवा स्वर श्री पुनेश्वर साहू आदर्श अभिभावक सम्मान श्री रामेश्वर साहू - श्रीमती रजनी साहू हे शारदे सम्पूर्ण बालिका मानस परिवार रंणजीतपुर को प्रदान किया समारोह में मुख्य अतिथि के रूप उपस्थिति श्री राज मानस संघ के अध्यक्ष अर्जुन पूरी गोस्वामी ने कार्यक्रम की प्रशंसा की और कहा संसार एवं सांसारिक जीवन में राम कथा साधना का प्रतीक है जहाँ मनुष्य को शांति मिलता है कार्यक्रम को श्री प्रदीप कुलदीप सचिव श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान छग पोयम शरण साहू जी सचिव माँ कौशिल्या जिला मानस संघ रायपुर डॉ मुन्नलाल देवदास जी संयोजक मम राजीव लोचन मानस संघ गरियाबंद श्री हरिराम साहू जी संरक्षक माँ भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा पं श्री राजेंद्र लोचन तिवारी महराज जी अध्यक्ष जिला के सी जीश्री मेहत्तर राम वर्मा जी अध्यक्ष जिला मानस संघ दुर्ग ने भी संबोधित किया एवं मानस दर्शन की इस परिकल्पना की भूरि भूरि प्रशंसा की सभी मंडलियों की प्रस्तुति पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह माँ कौशल्या धाम चंदखुरी में आयोजित होगी अंतिम दिवस पटल प्रभारी वरिष्ठ संयोजक के के सिंहा ने अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया वहीं कार्यक्रम त्रेता चंद्राकर जी ने किया कार्यक्रम श्रृंगार दीदी माँ श्रीमती नूतन साहू जी संयोजक मंडल जिला संयोजक मंडल मातृशक्ति युवा प्रकल्प बालिका प्रकल्प संचालक मंडल तकनीकी मण्डल पटल प्रभारी प्रसंग प्रभारी रहे जिनके अथक परिश्रमों ने कार्यक्रम में चार चांद ला दिया यह जानकारी सविता सोन के माध्यम से विष्णु साहू द्वारा प्राप्त हुआ

बाल यातना एवं मानव तस्करी के विरुद्ध जागरूकता हेतु विधिक शिविर आयोजित

नालसा की विभिन्न योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी, नागरिकों ने दिखाई उत्साहपूर्ण सहभागिता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बाल यातना एवं अवैध मानव तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के तत्वावधान में ग्राम ओटेबंद में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। शिविर में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ता देवेंद्र साहू ने नालसा (मानव तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों हेतु योजना), 2015 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह योजना मानव तस्करी, जबरन वेश्यावृत्ति, यौन शोषण एवं देह व्यापार के शिकार महिलाओं, बच्चों एवं अन्य व्यक्तियों को विधिक संरक्षण प्रदान करने के

उद्देश्य से संचालित की जाती है। योजना के अंतर्गत पीड़ितों को निःशुल्क कानूनी सहायता, सुरक्षा, पुनर्वास तथा न्यायालयीन कार्यवाही में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।प्रतिरक्षा अधिवक्ता अमन दुबे ने बताया कि मानव तस्करी एवं यौन शोषण के पीड़ितों को निःशुल्क कानूनी सहायता के साथ-साथ मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक पुनर्वास की सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं, जिससे वे सम्मानजनक जीवन की ओर पुनः अग्रसर हो सकें। इसी क्रम में प्रतिरक्षा अधिवक्ता आयुष शुक्ला ने नालसा (एसिड अटैक पीड़ितों को विधिक सेवाएं योजना) के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना एसिड हमले के पीड़ितों को न्याय एवं पुनर्वास उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई है। इसके तहत पीड़ितों को निःशुल्क अधिवक्ता, मुआवजा प्राप्त करने में सहायता, उपचार एवं पुनर्वास संबंधी सुविधाएं तथा अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही में सहयोग प्रदान किया जाता है। प्रतिरक्षाधिवक्ता पी. राजेश्वरी ने नालसा (बच्चों के लिए बाल-मित्र कानूनी सेवाएं योजना), 2024 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना बच्चों को कानूनी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षित, सहज एवं भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से लागू की गई है। योजना के तहत बाल पीड़ितों, बाल अपराधियों, अनाथ एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष सहायता उपलब्ध कराई जाती है तथा उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाती है। वहीं प्रतिरक्षाधिवक्ता गीता दास एवं दुर्गा साहू ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (विधिक क्लीनिक) विनियम, 2011 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधिक क्लीनिकों के माध्यम से ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क कानूनी सहायता पहुंचाई जाती है। इन क्लीनिकों में कानूनी परामर्श, आवेदन लेखन, प्रकरणों की जानकारी तथा नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जाता है। ग्रामों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, जेलों एवं न्यायालय परिसरों में ऐसे विधिक क्लीनिक संचालित किए जाते हैं।शिविर के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं श्रमिकों को विभिन्न विधिक योजनाओं एवं अधिकारों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली तथा उन्होंने विधिक सहायता से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा के सचिव के निर्देशानुसार आयोजित इस एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन समस्त लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं सहायक प्रतिरक्षा अधिवक्ताओं द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली तकदीर, चित्ररेखा निषाद के जीवन में अपना पक्का मकान होने का सपना हुआ साकार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कहते हैं कि सपने देखने की कोई उम्र नहीं होती और अगर सही समय पर सरकारी योजनाओं का साथ मिल जाए, तो अभावों का जीवन भी खुशहाली की नई इबारत लिख सकता है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है जिला बेमेतरा , विकासखंड नवगढ़ के ग्राम बैहरसरी के रहने वाली चित्ररेखा निषाद ने। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने उनके जीवन में उम्मीदों की नई रोशनी बिखेर दी है और अब उनका अपना पक्का मकान होने का वर्षों पुराना सपना हकीकत बन चुका है। बताना चाहेंगे कि सुशासन तिहार के अंतर्गत गत दिवस ग्राम पंचायत बैहरसाकेरी में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने अपने कर कमलों से प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान पूर्ण होने पर घर की चाबी सौंप कर उन्हें गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी है।

अभावों के साये में बीता जीवन-चित्ररेखा निषाद के लिए जीवन कभी भी आसान नहीं रहा। कच्ची दीवारों और जर्जर छत के नीचे गुजारा करना उनके लिए दैनिक संघर्ष का हिस्सा था। बरसात के दिनों में टपकती छत और सुरक्षा की चिंता उनके मन में हमेशा बनी रहती थी। एक स्वाभिमानी महिला होने के बावजूद आर्थिक तंगी के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए एक दूर का सपना जैसा था।

***योजना बनी सहारा**-सरकार की लोक-कल्याणकारी योजना 'प्रधानमंत्री आवास योजना' उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आई। पात्रता की शर्तों को पूरा करने के बाद, जब चित्ररेखा का चयन इस योजना के तहत हुआ, तो उनके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। योजना के तहत मिली सहायता राशि ने न केवल उनके हौसले बुलंद किए, बल्कि पक्के मकान के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

***अब सपनों का घर है अपना**-आज चित्ररेखा निषाद का पक्का मकान बनकर तैयार है। यह सिर्फ ईंट-पत्थर की चारदीवारी नहीं है, बल्कि यह उस आत्मसम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है, जिसे उन्होंने वर्षों से संजोया था। अपने घर में प्रवेश करते हुए चित्ररेखा भावुक होकर कहती हैं, ÷प्रधानमंत्री आवास योजना ने मेरी पूरी दुनिया बदल दी है। पहले जहाँ बारिश में सोने की चिंता सताती थी, आज उसी छत के नीचे मैं और मेरा परिवार सुरक्षित और चैन से रहते हैं। मुझे पक्के घर का सपना पूरा करने में सरकार का बड़ा सहयोग मिला है।

सुदूर वनाँचल ग्राम झाल में सुशासन शिविर संपन

सारंगढ़/मूक पत्रिका

जिले के डोंगरीपाली क्षेत्र के सुदूर वनाँचल ग्राम झाल में सुशासन शिविर का आयोजन बुधवार को किया गया, जिसमें ओड़िशा बॉर्डर सीमा पर स्थित जिले के ग्राम करपी, हट्टापाली, जोगनीपाली, तरेकेला, दुलोपाली, झिंकीपाली, डोंगरीपाली, घोघरा, खम्हरिया, झाल, जीरापाली, कोकबहाल, डूमरपाली, गौरडीह, बिर्नीपाली, पड़कीडीपा, परधियापाली, धौरादरहा और विष्णुपाली के भारी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। जिला प्रशासन की टीम पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। जिला प्रशासन के अधिकारियो और उनके टीम द्वारा स्टॉल लगाया गया जिसमें पंचायत, कृषि, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति, पशुधन, खनिज, मत्स्य, रेशम, उद्यानिकी, श्रम, समाज कल्याण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, जल संसाधन, वन, सहकारिता, पुलिस, आबकारी, स्वास्थ्य, खाद्य, पीएम ग्राम सड़क योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, अंत्यावसायी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सीजीएम एससी, शामिल है। अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। मंच से सभी विभागीय अधिकारियों ने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक, सदस्य सहोदरा सिदार, अभिलाषा नायक, बरमकेला जनपद पंचायत अध्यक्ष विद्या चौहान, गणमान्य नागरिक पुनीतराम चौहान, विलास सारथी आदि जनप्रतिनिधियों के हाथों हितग्राहियों को कृषि विभाग द्वारा किसानों को बीज, मत्स्य विभाग द्वारा आइस बॉक्स और मछली जाल, प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूली बच्चों को जाति प्रमाण पत्र, वन विभाग द्वारा पौधा वितरण किया गया।

मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करें - कलेक्टर

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज कुटरा का कलेक्टर ने लिया जायजा, समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज अपने कक्ष में चिकित्सा महाविद्यालय जांजगीर-चांपा के संचालन हेतु आवश्यक निर्माण एवं उन्नयन कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक ली। बैठक में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं एवं अधोसंरचना विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज का संचालन जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। इससे न केवल क्षेत्र के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे, बल्कि जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई दिशा और मजबूती मिलेगी। कलेक्टर ने बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय जांजगीर-चांपा के संचालन के लिए आवश्यक निर्माण एवं उन्नयन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इसके अतिरिक्त जीएनएम भवन के उन्नयन हेतु आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत करने तथा जिला चिकित्सालय जांजगीर के लिए एमडी मेडिसिन विशेषज्ञ की पदस्थापना हेतु राज्यस्तर पर पत्राचार करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। बैठक में अपर कलेक्टर ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, एसडीएम सुब्रत प्रधान, अधिष्ठाता चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. राकेश नहरेन, अस्पताल अधीक्षक डॉ. ए.आर. बेन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता श्रीवास्तव, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक तथा सीजीएमएससी संभाग बिलासपुर के अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के पश्चात कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज कुटरा तथा मेडिकल कॉलेज के अस्थायी संचालन के लिए प्रस्तावित लाइवलीहुड कॉलेज जांजगीर का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप कार्यों की स्थिति का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए तथा परियोजना को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज संचालन के लिए प्रस्तावित भवनों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, आवश्यक अधोसंरचना एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया तथा सभी तैयारियां समय पर एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शिकायतों के बावजूद खामोश प्रशासन, रसूखदार आरोपी बेलगाम, पीड़ित परिवार खौफके साये में

सारंगढ़/मूक पत्रिका

जिले में एक बार फिर प्रशासनिक निष्क्रियता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सरसींवा थाना क्षेत्र के ग्राम बालपुर की पीड़ित महिला नवधी लहरे ने पुलिस, प्रशासन पर आरोप लगाया है कि वे किसी बड़ी घटना के घटित होने का इंतजार कर रहे हैं, जबकि वे लगातार शिकायतें कर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगा रही है। महिला का आरोप है कि - कैलाश राय उर्फचिंटू, जो पूर्व विधायक राय का भतीजा बताया जा रहा है, लंबे समय से उसे और उसके पति को धमका रहा है। 27 मई की सुबह कैलाश राय हथियार लेकर उसके घर पहुंचा, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। डरे - सहमे परिवार ने तत्काल 112 पर कॉल कर किसी तरह अपनी जान बचाई। पीड़िता का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार मारपीट व धमकी दी जा चुकी है, जिसकी शिकायत थाना सरसींवा और कलेक्टर जनदर्शन में की गई थी। बावजूद इसके अब तक आरोपी के खिलाफकोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। महिला ने साफ तौर पर आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न कर पुलिस ने आरोपी को खुली छूट दे रखी है, जिससे उसका मनोबल और बढ़ गया है और वह लगातार प्रताड़ित कर रहा है। इस मामले ने प्रशासन और पुलिस की कार्य शैली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं।

महादेव नगर सपेरा बस्ती भीखमपुरा पहुंचे सीएम विष्णु देव साय, सुविधाओं के सबसे ज्यादा जरूरतमंद को राज्य सरकार ने दिया पहला लाभ..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सबसे जरूरतमंद को सबसे पहले शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरुवार को दोपहर में सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के ग्राम भीखमपुरा के सपेरा बस्ती अचानक पहुंचे। इस बस्ती में विगत 35-40 साल से झुग्गी झोपड़ी बनाकर और सपेरा का काम कर अपनी गुजर बसर करने वालों को राज्य सरकार ने बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराया है। पीएम आवास, राशनकार्ड, पेंशन, आयुष्मान कार्ड, बोर, नल कनेक्शन, आयुष्मान वय वंदन, ट्रायसायकल दिया है। वहीं योजना से सीसी सड़क, पक्का नाली मिला है।पीएम आवास - रहने के लिए 65 परिवारों में से 50 परिवार को पीएम आवास का पक्का मकान आवासीय कॉलोनी के रूप में दिया है, आवास कार्य पूर्णता की ओर है, ढलाई हो चुका है, रंगरोगन कार्य शेष है, जिसमें रसोई, आँगन, शौचालय, बाड़ी आदि कॉलोनी के रूप में दिया है। मुख्यमंत्री ने छत पर सौर ऊर्जा की सुविधा देने की बात कही। राशनकार्ड - लगभग 60 परिवार का राशनकार्ड बना है, जिन्हे प्रति माह राशन का लाभ मिलता है।

पेयजल - सपेरा बस्ती में पेयजल की समस्या था। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की ओर से बोर खनन फ़रवरी माह में किया गया है, वहीं जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल के लिए नल कनेक्शन दिया जा रहा है। महतारी वंदन : 3 महिलाओं को छोड़कर बाकी सभी 62 परिवार में महतारी वंदन का लाभ महिलाओं को दिया जा रहा है।

पेंशन - वृद्धा पेंशन के रूप में बुजुर्गों को पेंशन मिल रहा है। आयुष्मान कार्ड - 5 लाख रूपये तक के बीमारी के इलाज के लिए शत प्रतिशत परिवार का आयुष्मान कार्ड बन चुका है। सीसी रोड : मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना से 13 लाख रूपये की लागत से सीसी सड़क का निर्माण मेन रोड से बस्ती आने तक दिया गया है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के जन्मदिन पर युवा मोर्चा सरिया का रक्तदान शिविर, 111 यूनिट रक्त संग्रहित..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी के जन्मदिन के अवसर पर युवा मोर्चा सरिया मंडल द्वारा अग्रसेन भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया और बड़ी संख्या में रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए मदद का संदेश दिया।शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में ओपी चौधरी की धर्मपत्नी अदिति चौधरी उपस्थित रहीं। उनके आगमन पर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। इस अवसर पर कुल 111 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसे क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल के रूप में देखा जा रहा है। आयोजकों के अनुसार यह रक्तदान शिविर जरूरतमंद मरीजों के लिए आपातकालीन स्थिति में उपयोगी साबित होगा। कार्यक्रम के बाद युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रायगढ़ स्थित विधायक निवास पहुंचे, जहां उन्होंने वित्त मंत्री ओपी चौधरी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान युवाओं ने उनके हस्ताक्षर युक्त विशेष टी-शर्ट भी प्राप्त किया, जिसे स्मृति के रूप में महत्वपूर्ण माना गया। युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष शिवांशु गुरु ने कहा कि 02 जून 2026 का यह दिन संगठन और युवाओं के लिए यादगार रहेगा। उन्होंने रक्तदान शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं, रक्तदाताओं और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के जरिए युवाओं में सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और मजबूती मिली।

एक सुर में बोले पदाधिकारी– अब इसके नेतृत्व में काम असंभव, 'या अध्यक्ष हटेंगे या संगठन टूटेगा'

चांपा भाजपा में खुला विद्रोह: मंडल अध्यक्ष हटाने पर अड़े पदाधिकारी, 'या तो अध्यक्ष रहेंगे या हम नहीं'

चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चांपा मंडल में संगठनात्मक संकट गहराता नजर आ रहा है। चांपा भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष थवाईत (चाबु) के खिलाफ मंडल के पदाधिकारियों ने खुला मोर्चा खोल दिया है। मंडल के अधिकांश पदाधिकारी एकजुट होकर उनके नेतृत्व में काम करने से साफ इंकार कर चुके हैं। मंडल के पदाधिकारियों ने दो टूक शब्दों में कहा है कि ÷या तो वर्तमान मंडल अध्यक्ष को हटाया जाए, या फिर हम सभी पदाधिकारी अपने-अपने पदों से इस्तीफा देंगे।÷ इस अल्टीमेटम के बाद भाजपा संगठन में हड़कंप मच गया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आज शिशु मंदिर चांपा में मंडल एवं वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में मौजूद मंडल के सभी पदाधिकारियों ने एक स्वर में वर्तमान मंडल अध्यक्ष के खिलाफ नाराजगी जाहिर की और उन्हें पद से हटाने की मांग की। पदाधिकारियों का आरोप है कि मंडल अध्यक्ष न तो संगठन को विश्वास में लेते हैं, न ही किसी निर्णय की जानकारी देते हैं। वे अपने मनमाने तरीके से काम करते हैं और वरिष्ठ पदाधिकारियों तक को कोई महत्व नहीं देते। पदाधिकारियों का कहना है कि जब से वे मंडल अध्यक्ष बने हैं, संगठन में सामंजस्य खत्म हो गया है।सूत्रों का दावा है कि बैठक के दौरान मंडल के सभी पदाधिकारियों ने रजिस्टर में अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया, जिसमें सर्वसम्मति से मंडल अध्यक्ष को हटाने की मांग की गई। बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव पर सभी ने हस्ताक्षर किए हैं और इसे भाजपा जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष तक भेजने की तैयारी है।महत्वपूर्ण बात यह रही कि यह पूरा विरोध वर्तमान मंडल अध्यक्ष की मौजूदगी में हुआ, जिससे बैठक का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने भी पदाधिकारियों की नाराजगी को गंभीरता से सुना और सहमति जताते हुए प्रस्ताव दर्ज कराया।बैठक के बाद से ही चांपा भाजपा में तीखी चर्चा का दौर जारी है, और यह मामला अब गली-मोहल्लों तक चर्चा का विषय बन चुका है। संगठन के भीतर यह सवाल उठने लगा है कि इतने व्यापक विरोध के बाद क्या मंडल अध्यक्ष पद पर बने रह पाएंगे, या पार्टी नेतृत्व उन्हें हटाने का फैसला करेगा।फिलहाल यह पूरा मामला सूत्रों के हवाले से सामने आया है, लेकिन इतना तय है कि चांपा भाजपा इस समय भीतरी कलह और नेतृत्व संकट के दौर से गुजर रही है। आने वाले दिनों में पार्टी नेतृत्व का निर्णय चांपा की राजनीति की दिशा तय करेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।